खबरों की उड़ान

जनादेश एक्सप्रेस

अखबार नहीं आंदोलन

शुक्रवार 28 मार्च 2025
वर्ष - 3, अंक - 332
पृष्ठ - 12
उत्तराखण्ड
मूल्य - 3 रुपए

www.janadeshexpress.in | उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली से प्रकाशित

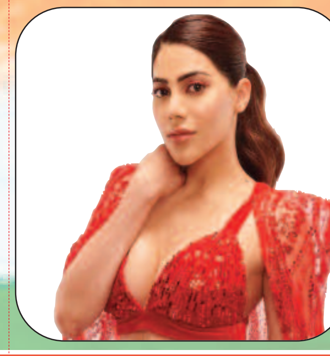

नुसरत भरूचा की फिल्म छोरी 2 की रिलीज...

संक्षिप्त खबरें

निधन पर दुःख व्यक्त किया

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वरिष्ठ पत्रकार श्री फहीम तन्हा की माताजी के निधन पर दुःख व्यक्त किया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है। महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने भी वरिष्ठ पत्रकार श्री फहीम तन्हा की माताजी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतृप्त परिवारजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

अहिल्याबाई होल्कर एक महान बीरांगना रही

ऋषिकेश(आरएनएस)। पुष्पा बडेरा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज ढालवाला ने जानकी धाम आश्रम शीशमझाड़ी में गुरुवार को अहिल्याबाई होल्कर की जयंती वर्ष पर गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें वक्ताओं ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों को जीवन में उतारने को प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विद्यालय के आचार्य जयेन्द्र प्रसाद चमोली ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर एक महान वीरांगना थीं। उन्होंने मंदिरों का निमार्ण और जीर्णोद्धार करवाया और अपने पति और पुत्र की मृत्यु के बाद इंदौर का शासन संभाला। अर्चित पांडे ने कहा कि हमें लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों पर चलकर अपने जीवन में उनके विचारों को उतारना चाहिए। वरिष्ठ आचार्य वीरेंद्र किशोर गौड़ ने विद्यालय की उपलब्धियों के बारे में अपने विचार रखें। कार्यक्रम में सुरक्षा देवी गोयल, दिनेश चंद्र सकलानी, आशीष चौहान, बिशन सिंह नेगी, नरेश पुंडीर, विपिन डोभाल, विवेक डोभाल, विनोद कठैत, शिवानी दास,लीला देवी,विपिन पासवान,संदीप शर्मा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के आचार्य देवीशंकर नैथानी ने किया।

लोकसभा में इमिग्रेशन बिल पास

शाह बोले-भारत धर्मशाला नहीं, बांग्लादेशियों से सख्ती से निपटेंगे

नई दिल्ली। शाह ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वालों को देश में घुसने नहीं दिया जाएगा। देश कोई धर्मशाला नहीं है। अगर कोई देश के विकास में अपना योगदान देने के लिए देश में आता है, तो उसका हमेशा स्वागत है। उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों में भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत एक चमकता हुआ केंद्र बन गया है। भारत मैन्यूफैक्चरिंग का हब बन गया है और दुनिया भर से लोगों का भारत आना स्वाभाविक है।

भाजपा नेता ने दावा किया कि निजी लाभ के लिए और देश को असुरक्षित बनाने के लिए भारत में शरण लेने वालों की संख्या भी बढ़ी है। रोहिंग्या हों या बांग्लादेशी, अगर वे भारत में अशांति फैलाने के लिए आते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत एक भू-सांस्कृतिक राष्ट्र है, भू-

राजनीतिक राष्ट्र नहीं। फारसी लोग भारत आए और आज देश में सुरक्षित हैं। दुनिया का सबसे छोटा अल्पसंख्यक समुदाय भारत में ही सुरक्षित है। यहूदी इजरायल से भागकर भारत में ही रह गए। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में पड़ोसी देशों के छह उत्पीड़ित समुदायों के लोग ष्ट के जरिए देश में शरण ले रहे हैं। ज़

अमित शाह ने कहा कि आव्रजन कोई अलग मुद्दा नहीं है। देश के कई मुद्दे इससे जुड़े हुए हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से यह जानना बहुत जरूरी है कि देश की सीमा में कौन घुसता है। हम उन लोगों पर भी कड़ी नजर रखेंगे जो देश की सुरक्षा को खतरे में डालेंगे।

वहीं, भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने लोकसभा में 'आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक, 2025' पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि यह विधेयक समय की मांग है और इसकी सराहना की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य अतिथियों का सम्मान करने के साथ सीमाओं और राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

लोकसभा ने 'आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक, 2025' को पारित किया। बिल पर चर्चा का जवाब देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में कहा कि हमारे देश में कौन आता है और कितने समय के लिए आता है, देश की सुरक्षा के लिए यह जानने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि पांच हजार साल से प्रवासियों के बारे में भारत का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग रहा है, इसलिए किसी शरणार्थी नीति की हमें जरूरत नहीं। उन्होंने कहा कि आप्रवास और विदेशी विषयक विधेयक से भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का हमारा सपना पूरा होने वाला है।

मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर, 5 जवान घायल

जम्मू। कठुआ एनकाउंटर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। जवानों ने मुठभेड़ में दो आतंकियों को ढेर कर दिया। वहीं, गोलीबारी में पांच जवान घायल हो गए। सुरक्षाबलों ने इलाके में सर्च ऑपरेशन को और तेज कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान भीषण गोलीबारी और विस्फोट हुए। कठुआ जिले का शांत गांव सुफैन गोलियों, ग्रेनेड और रॉकेट फायर की आवाजों से थर्रा उठा। पूरे दिन भीषण गोलीबारी हुई और बीच-बीच में कई बड़े विस्फोट भी हुए। सेना के अधिकारियों ने बताया कि विशेष सूचना मिलने के बाद जवान जब वहां पहुंचे तो आतंकवादी जंगल से गुजर रहे थे। इस दौरान मुठभेड़ आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। राजबाग के घाटी जुथाना इलाके में जखोले गांव के पास हुई मुठभेड़ में करीब पांच आतंकवादियों के एक ग्रुप ने सर्च ऑपरेशन के दौरान फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस, सेना और सीआरपीएफ के अतिरिक्त बलों को तुरंत इलाके में तैनात किया गया। इस दौरान गोलीबारी में विशेष पुलिस अधिकारी भरत चलोत्रा घायल हो गए। उनके चेहरे पर चोटें आईं हैं। उन्हें कठुआ के एक अस्पताल में इलाज के बाद जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत स्थिर बताई गई है। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) के नेतृत्व में सेना, बीएसएफ और सीआरपीएफ ने ऑपरेशन को अंजाम दिया। जिसमें दो आतंकियों को ढेर कर दिया। हालांकि, अधिकारियों ने जानकारी देते हुए कहा कि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह वही आतंकवादी था, जो कठुआ के सान्याल जंगल में छिपा हुआ था, या हाल ही में घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों का ग्रुप था। सर्च ऑपरेशन जारी है।

साल में तीन बार होगी सीए फाइनल परीक्षा

जनवरी, मई और सितंबर में होगा आयोजन

नई दिल्ली। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ने साल में तीन बार सीए फाइनल परीक्षा आयोजित करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। पहले यह परीक्षा साल में दो बार आयोजित की जाती थी। संस्थान ने कहा कि अब तीनों स्तरों- सीए फाइनल, इंटरमीडिएट और फाउंडेशन में हर साल बराबर संख्या में प्रयास होंगे। पिछले साल आईसीएआई ने इंटरमीडिएट और फाउंडेशन कोर्स की परीक्षाएं साल में तीन बार आयोजित करने का फैसला किया था और अब सीए फाइनल परीक्षाएं भी उसी शेड्यूल के अनुसार होंगी। ये परीक्षाएं जनवरी, मई और सितंबर में होंगी। आईसीएआई ने एक बयान में कहा, ÷वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ तालमेल बिठाने और छात्रों को अधिक अवसर प्रदान करने के लिए, आईसीएआई की 26वीं परिषद ने सीए फाइनल परीक्षा को साल में तीन बार आयोजित करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह परीक्षा साल में दो बार आयोजित की जाती थी। आईसीएआई ने कहा कि सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा में पोस्ट क्वालिफिकेशन कोर्स में भी बदलाव किया जाएगा।

देश की 2.18 लाख ग्राम पंचायतों में हाई-स्पीड इंटरनेट के लिए भारतनेट लिंक उपलब्ध: केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। देश की कुल 2.68 लाख ग्राम पंचायतों में से 2.18 लाख ग्राम पंचायतों को भारतनेट परियोजना के तहत हाई-स्पीड इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार कर लिया गया है। यह जानकारी सरकार द्वारा संसद में दी गई। केंद्रीय पंचायती राज राज्य मंत्री, एसपी सिंह बघेल ने राज्य सभा में लिखित जवाब में कहा कि भारतनेट प्रोजेक्ट को डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशंस (डीओटी) द्वारा चरणबद्ध तरीके से देश की सभी ग्राम पंचायतों में लागू किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने राज्य सभा को बताया कि सभी राज्य अपने पास उपलब्ध संसाधनों के आधार पर ई-पंचायत मिशन मोड परियोजना (एमएमपी) को क्रियान्वित करने का प्रयास कर रहे हैं। डीओटी की ओर से कहा गया कि सरकार की योजना भारतनेट प्रोजेक्ट मार्च 2027 तक पूरा करने की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारतनेट के तहत बनाए गए इन्फ्रास्ट्रक्चर का उपयोग फाइबर टू द होम (एफटीटीएच) कनेक्शन, लीज्ड लाइन, डार्क फाइबर और मोबाइल टावरों तक बैकहॉल जैसी ब्रॉडबैंड सेवाएं प्रदान करने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्रीय कैबिनेट ने 'डिजाइन, बिल्ड, ऑपरेट और मेंटेन' मॉडल के तहत 'एमेंडेड भारतनेट प्रोग्राम' को मंजूरी दी है। इसके तहत भारतनेट फेस-ढ्ढ और भारतनेट फेस-ढ्ढढ्ढ के मौजूदा नेटवर्क को अपग्रेड किया जाएगा। इसके साथ ही ऐसी 42,000 ग्राम पंचायतों को जोड़ा जाएगा, जो अब तक सर्विस-रेडी नहीं है। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) को अगले पांच वर्षों में 1.5 करोड़ एफटीटीएच कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य दिया गया है। केंद्रीय मंत्री ने उच्च सदन को यह भी बताया कि डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत पंचायती राज मंत्रालय देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ई-पंचायत एमएमपी को लागू कर रहा है।

इस पहल का उद्देश्य पंचायतों के कामकाज में सुधार लाना है, उन्हें अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनाना है। इस पहल के एक भाग के रूप में, मंत्रालय ने ई-ग्रामस्वराज नामक एक ऑनलाइन प्लानिंग और अकाउंटिंग एप्लीकेशन को शुरू किया है, जिसे पंचायत की गतिविधियों जैसे प्लानिंग, अकाउंटिंग और बजट को सरल बनाने के लिए डिजाइन किया गया है।

मुख्यमंत्री धामी ने 1232 नर्सिंग अधिकारियों को प्रदान किये नियुक्ति पत्र

दून मेडिकल कॉलेज के सभागार का किया लोकार्पण

देहरादून(आरएनएस)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को राजकीय दून मेडिकल कॉलेज, पटेलनगर में प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज में नवनियुक्त नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। प्रदेश में 1232 नये नर्सिंग अधिकारियों का नियुक्ति दी गई है। इस अवसर पर उन्होंने 26 करोड़ की लागत से बने दून मेडिकल कॉलेज के सभागार का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री ने सभी नर्सिंग अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि अब सरकारी मेडिकल कॉलेजों में मरीजों को त्वरित चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान नर्सिंग स्टाफ और स्वास्थ्य कर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जब पूरा विश्व इस संकट से जूझ रहा था, तब हमारे नर्सिंग स्टाफ और स्वास्थ्यकर्मी फ्रंटलाइन वॉरियर बनकर निःस्वार्थ सेवा में जुटे हुए थे। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना दिन-रात मरीजों की देखभाल करते हुए उनके जीवन को बचाने के लिए अथक परिश्रम किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नव नियुक्त नर्सिंग अधिकारी पूर्ण निष्ठा, समर्पण और मानवीय मूल्यों के साथ कार्य करेंगे और

प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को एक नई ऊँचाई प्रदान करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान योजना के तहत प्रदेश में लगभग 11 लाख से अधिक मरीजों को 2100 करोड़ रुपये से अधिक के कैशलेस उपचार का लाभ प्राप्त हो चुका है। इसके अलावा, राज्य के प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित कर रहे हैं, ताकि हमारे सुदूरवर्ती क्षेत्रों के लोगों को उनके जिले में ही आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं सहज रूप से उपलब्ध हो सकें। राज्य के प्रत्येक क्षेत्र के लिए हेली एंबुलेंस सेवा भी प्रारंभ की गई है, जो किसी भी आपात स्थिति में सुदूरवर्ती क्षेत्रों के लोगों के लिए जीवन रक्षक साबित हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में स्टाफ की कमी को दूर करने के लिए भी निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं, इसी क्रम में, चिकित्सा शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए अब तक 173 असिस्टेंट प्रोफेसर्स, 56 संकाय सदस्य और 185 तकनीशियन नियुक्त किए जा चुके हैं। इसी का परिणाम है कि 3 वर्ष में ही प्रदेश के 22 हजार से अधिक युवा सरकारी नौकरी पाने में सफल रहे हैं। चिकित्सा स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि लोगों को उनके घर पर ही बेहतर और किफायती इलाज मिले, इसके लिए सरकार प्रयासरत है।

साढ़े तीन साल में 22 हजार से अधिक युवाओं को दी जा चुकी है सरकारी नौकरी : सीएम

जनादेश एक्सप्रेस
शुक्रवार 28 मार्च 2025
अखबार नही आंदोलन
www.janadeshexpress.in

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने राजकीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों संग बैठक

देहरादून(आरएनएस)। कुलाधिपति एवं राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने गुरुवार को राजभवन में राजकीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान राज्यपाल ने ÷वन यूनिवर्सिटी, वन रिसर्च÷ के अंतर्गत किए जा रहे शोध कार्यों सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों द्वारा शोध एवं पेटेंट कराए जाने पर बल देते हुए सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश दिए कि लगातार शोध कार्यों पर फोकस किया जाए। विश्वविद्यालयों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि एक शोध पूर्ण होने से पहले, अगले शोध कार्य के लिए, तैयारियां कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुसंधानात्मक शिक्षा पद्धति किसी राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके लिए अधिक से अधिक शोध कार्य कराए जाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों द्वारा शोध कार्यों के लिए बजट बढ़ाए जाने की भी आवश्यकता है। उन्होंने विश्वविद्यालयों द्वारा अपनी उपलब्धियों और शोध कार्यों की जानकारी सभी के साथ साझा किए जाने पर बल दिया। कहा कि इन अनुसंधानों से अधिक से अधिक लाभ उठाया जा सकेगा, जो जन कल्याण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राज्यपाल ने प्रदेश में ÷चांसलर ट्रॉफी÷ के रूप में प्रत्येक वर्ष एक अंतर्विश्वविद्यालयी खेल प्रतियोगिता का आयोजन शुरू किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे प्रतियोगी प्रतिस्पर्धाओं के आयोजन से प्रदेश में युवा खेलों के प्रति जागरूक होंगे, उनकी खेलों के प्रति रूचि बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि अभी-अभी प्रदेश में राष्ट्रीय खेल सम्पन्न हुए हैं। इस प्रतियोगिता के माध्यम से खेल के लिए तैयार की गई आधारभूत संरचनाओं का अधिकतम उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने ÷चांसलर ट्रॉफी÷ में लोकप्रिय खेलों को शामिल किए जाने के भी निर्देश दिए। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों को यूजीसी अधिनियम की धारा 12बी के तहत केंद्रीय सहायता (यूजीसी अनुदान) के लिए निरंतर प्रयास किए जाएं। उन्होंने विश्वविद्यालयों द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, और रोबोटिक्स,

आधुनिक तकनीकों के प्रयोग पर बल दिया। बैठक के दौरान राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों की समस्याओं और उनके निराकरण पर भी चर्चा की। इस अवसर पर राज्यपाल ने राजभवन में ÷वातायनः राष्ट्रवादी सिख की जीवन यात्रा÷ नामक पुस्तक के द्वितीय खण्ड का विमोचन किया। यह पुस्तक राज्यपाल के जीवन यात्रा पर आधारित हैं एवं पूर्व में इस पुस्तक के प्रथम भाग का विमोचन किया गया था।

इस अवसर पर राज्यपाल ने पुस्तक के लेखकों को बधाई देते हुए कहा कि साहित्य, सृजन एक साधना के समान होता है जिसमें धैर्य और अनुशासन की आवश्यकता होती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह पुस्तक पाठकों को भारतीय संस्कृति, सेना के मूल्यों और राष्ट्र सेवा की भावना को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करेगी। इस अवसर पर सचिव राज्यपाल श्री रविनाथ रामन, सचिव श्री दीपक कुमार, सचिव डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, कुलपति गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय प्रो. मनमोहन सिंह चौहान, कुलपति संस्कृत विश्वविद्यालय प्रो. दिनेश चन्द्र शास्त्री, कुलपति सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट, कुलपति उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी, कुलपति दून विश्वविद्यालय प्रो. सुरेखा डंगवाल, कुलपति श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय प्रो. एन.के. जोशी, कुलपति उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय एवं एच.एन.बी. उत्तराखण्ड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय प्रो. ओंकार सिंह, कुलपति वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली उत्तराखण्ड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय भरसार प्रो. परविंदर कौशल, कुलपति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय प्रो. ओ.पी.एस. नेगी, अपर सचिव राज्यपाल स्वाति एस. भदौरिया, अपर सचिव डॉ. आनंद श्रीवास्तव सहित विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सीएम धामी ने किया वरिष्ठ पत्रकार की माताजी के निधन पर दुःख व्यक्त

देहरादून(आरएनएस)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वरिष्ठ पत्रकार किशोर रावत की माताजी के निधन पर दुःख व्यक्त किया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है। महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने भी वरिष्ठ पत्रकार किशोर रावत की माताजी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतृप्त परिवारजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

डाक विभाग की योजनाओं की जानकारी दी

देहरादून(आरएनएस)। डाक विभाग की ओर से गुरुवार को डोईवाला ब्लॉक सभागार में डाक मेले का आयोजन किया गया। इसमें डाक जीवन बीमा की जानकारी दी गई। साथ ही डाक विभाग की अन्य योजनाओं के बारे में भी बताया गया। मेले का शुभारंभ चीफ पोस्ट मास्टर जनरल शशि शालिनी कंजूर ने किया। उन्होंने कहा कि डाक विभाग की ओर से कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका जनता को लाभ लेना चाहिए। उन्होंने डाक जीवन बीमा, सुकन्या समृद्धि समेत कई योजनाओं के बारे में बताया। इस मौके पर प्रवर अधीक्षक डाकघर देहरादून मंडल जेएस बिष्ट, सहायक अधीक्षक डाकघर दिनेश सिंह तोमर, डीओ पीएलआई सम्मी रावत, अंशुल जोशी मौजूद रहे।

हिल व्यू कॉलोनी में सीवर कार्य का निरीक्षण

देहरादून(आरएनएस)। कैंट विधायक सविता कपूर ने गुरुवार को हिल व्यू कॉलोनी में विधायक निधि से चल रहे सीवर कार्य का क्षेत्रवासियों के साथ निरीक्षण किया। इस अवसर पर भाजपा नेता संतोष कोठियाल, मंडल उपाध्यक्ष युवा मोर्चा सूरज सिंह बिष्ट, रविकांत सपरा, गौरव चानना, शुभम रेखी, शुभम वालिया, राकेश अरोड़ा, अखिल गर्ग, निखिल गर्ग आदि उपस्थित रहे।

उत्तराखंड में अवैध मदरसों पर सख्ती और बढ़ेगी:धामी

देहरादून(आरएनएस)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में अवैध मदरसों के खिलाफ सख्ती बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में सत्यापन अभियान को तेज करने के साथ ही फंडिंग के सोर्स का भी पता लगाने के निर्देश दिए गए हैं। गुरुवार को दून मेडिकल कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम के बाद मीडिया कर्मियों से बात करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि देवभूमि के स्वरूप को बचाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राज्य में अवैध रूप से या पहचान छिपाकर रहने वाले लोगों के खिलाफ भी सत्यापन अभियान चलाया जाएगा और ऐसे लोगों से सख्ती से निपटा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कानून के साथ जीना सबकी आदत में आना चाहिए और यह सुनिश्चित कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अवैध मदरसों पर हुई कार्रवाई के मामले में कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रिया पर कहा कि कांग्रेस के नेता सिर्फ मीडिया में बने रहने के लिए इस तरह के बयान जारी करते हैं।

गणेश जोशी ने बहुद्देशीय शिविर स्थल पर परखी तैयारियां

देहरादून(आरएनएस)। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने गुरुवार को राज्य सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में मसूरी विधानसभा क्षेत्र में आगामी 29 मार्च को सर्वे स्टेडियम हाथीबड़कला में होने वाले बहुउद्देशीय शिविर की तैयारियों का कार्यक्रम स्थल पहुंचकर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री गणेश जोशी ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने और कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह शिविर जनहितकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उत्तराखंड में अवैध मदरसों पर सख्ती और बढ़ेगी: धामी

देहरादून(आरएनएस)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में अवैध मदरसों के खिलाफ सख्ती बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में सत्यापन अभियान को तेज करने के साथ ही फंडिंग के सोर्स का भी पता लगाने के निर्देश दिए गए हैं। गुरुवार को दून मेडिकल कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम के बाद मीडिया कर्मियों से बात करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि देवभूमि के स्वरूप को बचाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राज्य में अवैध रूप से या पहचान छिपाकर रहने वाले लोगों के खिलाफ भी सत्यापन अभियान चलाया जाएगा और ऐसे लोगों से सख्ती से निपटा जाएगा।

यूकेडी नेताओं की गिरफ्तारी का विरोध

देहरादून(आरएनएस)। यकेडी नेताओं की गिरफ्तारी पर उक्रांद के केंद्रीय उपाध्यक्ष शांति प्रसाद भट्ट ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने सरकार पर झूठे मुकदमें दर्ज करने का आरोप लगाया है। कहा कि उत्तराखंड में लोकतंत्र हत्या की जा रही है। यदि उनके नेताओं पर दर्ज मुकदमें वापस नहीं लिए जाते हैं तो यूकेडी लोकतांत्रित तरीके से आंदोलन के लिए बाध्य होगी। गुरुवार को प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय उपाध्यक्ष शांति प्रसाद भट्ट ने कहा कि पुलिस ने यूकेडी के मीडिया प्रभारी आशुतोष नेगी और केंद्रीय युवा अध्यक्ष आशीष नेगी पर झूठा मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया है। झूठे मुकदमें दर्ज करना लोकतंत्र की हत्या है। सरकार तानाशाह रवैया अपना रही है, यूकेडी इसका विरोध करती है। उन्होंने लच्छीवाला टोल प्लाजा पर भी सवाल उठाए। कहा कि टोल प्लाजा गलत स्थान पर बनाया गया है, जिस कारण यहां हादसे हो रहे हैं। उन्होंने टोल प्लाजा को हटाने की मांग की है। इस मौके पर टीकम सिंह राठौर, अतुल जैन, मनाक्षी आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रदेश में सेवा कार्यों का करेगी विस्तार

देहरादून(आरएनएस)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की उत्तराखंड प्रांत की प्रेसवार्ता का आयोजन गुरुवार को राजपुर रोड स्थित विश्व संवाद केन्द्र में हुई। जिसमें बंगलुरु में गत 21 से 23 मार्च तक हुई संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए उत्तराखंड प्रांत कार्यवाह दिनेश सेमवाल ने कहा कि राज्य में भी संघ अपने सेवा कार्यों को विस्तार देगा। प्रांत कार्यवाह ने बताया कि बैठक में देशभर से 1443 कार्यकर्ताओं ने शिरकत की। जिसमें सर कार्यवाह ने रानी अब्बक्का के 500 वें जन्मदिवस पर अपना वक्तव्य दिया। संघ ने शताब्दी वर्ष में संघ कार्य का विस्तार, सुदृढ़ीकरण, सामाजिक एकता, राष्ट्रीय पुनर्जागरण का लक्ष्य निर्धारित किया। विश्व शांति, समृद्धि के लिए समरस और संगठित हिन्दू समाज के निर्माण का संकल्प लिया। बांग्लादेशी हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ विश्व समुदाय से आवाज उठाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुरुप ही प्रदेश में भी सेवा कार्य व सांगठनिक विस्तार किया जाएगा। उत्तराचंल प्रांत में वर्तमान में संघ के सांगठनिक रुप से आठ विभाग, 26 सांगठनिक जिले, 1506 शाखाएं, 404 मिलन केन्द्र, 253 मंडली, कुल 128

खंड, कुल 79 महानगर, 22 नगर, 170 शाखा स्थापित हैं। आरएसएस द्वारा प्रदेश में संचालित सेवा कार्यों में वन टीचर वन स्कूल 4 हजार ग्रामों में संचालित हो रहे हैं। वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा 333 ग्रामों में संस्कारशालाएं संचालित हैं। विवेकानंद हेल्थ मिशन के 11 चिकित्सालय संचालित किए जा रहे हैं। उत्तराचंल उत्थान परिषद, दैवीय आपदा सहायता समिति द्वारा छात्रावास, स्वावलंबन केंद्र चलाए जा रहे हैं। संघ इस शताब्दी वर्ष में दो अक्तूबर विजय दशमी से अगले वर्ष विजयदशमी तक खंड, नगरों में पूर्ण गणवेश में कार्यक्रम आयोजित करेगा। नवंबर से जनवरी माह तक 21 दिन घर-घर संपर्क अभियान चलाएगा। राज्य की 649 बस्ती व 712 मंडलों में हिन्दू सम्मेलन, सामाजिक सद्भाव गोष्ठियां, प्रबुद्ध नागरिक गोष्ठी और युवा सम्मेलन आयोजित करेगा। अगले वर्ष ऐसे स्थानों में सात दिन की शाखाएं लगाई जाएंगी जो अभी शाखा विहीन हैं। मौके पर उत्तराखंड प्रांत प्रचार प्रमुख संजय, बलदेव पाराशर आदि मौजूद रहे।

जमीन बेचने की डील कर पांच लाख रुपये हड़पे, पांच पर केस

देहरादून(आरएनएस)। जमीन बेचने की डील कर एक व्यक्ति से तीन लाख रुपये हड़प लिए गए। मामले में पुलिस में शिकायत की गई। पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विकास नेगी निवासी नेहरु कॉलोनी ने आरोप लगाया है कि उन्होंने फरजान खान निवासी राजीव जुयाल मार्ग से ब्राह्मणवाला 33.49 वर्गमीटर जमीन खरीदने की डील की। डील 3.70 लाख रुपये में हुई। 25 नवंबर 2019 को एक एग्रीमेंट बनाया गया। जिसमें तीन लाख रुपये अग्रिम भुगतान किया गया था और शेष 70,000 रुपये रजिस्ट्री के समय दिए जाने थे। एग्रीमेंट 24 अप्रैल 2021 तक वैध था। पीड़ित के

अनुसार तीन लाख रुपये देने के बाद बार-बार आग्रह करने के बावजूद फरजान खान ने भूमि का बैनामा नहीं किया। जब पीड़ित ने इस बारे में जानकारी ली तो पता चला कि उक्त भूमि फरजान खान ने पहले ही 10 जुलाई 2020 को मोहम्मद फरमान, वसीम अहमद, दानिश, और मोहम्मद सुलेमान को बेच दी थी। आरोप है कि नौ अक्तूबर 2024 को आईएसबीटी के पास फरजान खान मिला।

जहां उसने पीड़ित को धमकाया और कहा कि उसने जमीन पहले ही बेच दी है। अब पीड़ित को कुछ नहीं मिलेगा। इंस्पेक्टर पटेलनगर हरिओम राज चौहान ने बताया कि तहरीर पर फरजान खान निवासी राजीव जुयाल मार्ग, मोहम्मद फरमान निवासी एमडीडीए बस्ती देहरादून, वसीम अहमद निवासी ब्राह्मणवाला, निरंजनपुर, दानिश निवासी उमरी कलां, बिजनौर, मोहम्मद सुलेमान निवासी शर्मा कॉलोनी, ब्राह्मणवाला खाला के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

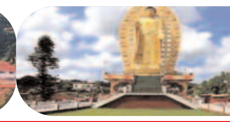

सीएम के डीएम को सख्त निर्देश, निकृष्ट अनाज का एक भी दाना न पंहुचने पाए जन की थाली तक

संदेहास्पदक रिकार्ड, स्टेटमेंट, फेल्ड सैम्पल के चलते कार्यवाही रखनी पड़ी बरकार

देहरादून(आरएनएस)। सीएम के संकल्प, सरकार की छवि बरकार रखने को जिला प्रशासन दूरी नही धूरी की तरह हर वक्त सजग है कोताही लापरवाही निष्ठाहीनता पर जिला प्रशासन देहरादून का दूसरे दिन भी निरंतर एक बाद एक एक्शन जारी। जिलाधिकारी सविन बंसल ने आज खाद्य गोदाम गुलरघाटी का औचक निरीक्षण के दूसरे दिन भी प्रशासन की कार्यवाही गतिमान है। एडीएम व प्रशासनिक अमला मौके पर गोदाम में अनाज की सैम्पलिंग की प्रत्येक खेप की सैम्पल कर रही है। डीएम के निरीक्षण के दौरान गोदाम में रजिस्टर मेंटन न होने तथा रखरखाव व्यवस्था में कई लापरवाही सामने आई थी।

डीएम के निर्देश पर गुलर घाटी खाद्य गोदाम में सभी लाट में रखे चावलों के

नमूने लेकर जांच। जिलाधिकारी सविन बंसल के औचक निरीक्षण के बाद खाद्य गोदाम गुलरघाटी में भारी अननियमिता सामने आने पर खाद्यान्न की सैंपलिंग दूसरे दिन भी जारी रही। अपर जिलाधिकारी जय भारत सिंह के नेतृत्व में जिला प्रशासन की टीम ने गोदाम में प्रत्येक लाट में रखे चावल के बोरों की रेन्डमली नमूने लेकर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा की जांच की गई। जिसमें अधिकांश लॉट में रखे खाद्य पदार्थ (चावल) मानकों पर खरा नही उतरे। जिन्हें नष्ट कराने के निर्देश जारी किए गए है। अपर जिलाधिकारी ने गोदाम में फस्ट इन, फस्ट आउट आधार पर खाद्यान्न स्टोर और विपणन के लिए समुचित व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। ताकि गोदाम से गुणवत्ता के साथ खाद्यान्न का विपणन हो सके।

गोदाम में खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग के दौरान संभागीय खाद्य निरीक्षक बंशी लाल राणा, डिप्टी आरएमओ अन्नू जैकरे, तहसीलदार सतेन्द्र देव, जिला पूर्ति अधिकारी केके अग्रवाल, नायब तहसीलदार, राजस्व उपनिरीक्षक सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन जयभारत सिंह जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ गोदाम में रखे अनाज की सैम्पलिंग के साथ ही स्टॉक के साथ ही रिकार्ड स्टेटमेंट जांच की कार्यवाही कर रहे हैं। डीएम के निरीक्षण के दौरान अनाज रखने हेतु मानकों के अनुसार व्यवस्था नहीं

स्पोर्ट्स हॉस्टल दून ने जीता फुटबॉल का उद्घाटन मैच

देहरादून(आरएनएस)। प्रदेश सरकार के तीन साल पूरे होने पर खेल विभाग की ओर से आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में स्पोर्ट्स हॉस्टल देहरादून ने उद्घाटन मैच जीता। पवेलियन ग्राउंड में गुरुवार को जिला क्रीड़ा अधिकारी रविंद्र भंडारी ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। पहला मैच स्पोर्ट्स हॉस्टल और संपदा एफसी के बीच खेला गया। इसमें स्पोर्ट्स हॉस्टल 3-0 के अंतर से विजेता रहा। टीम के लिए राहुल, संदेश और अनुज ने 1-1 गोल किया। दूसरे मैच में पुलिस लाइन और खेलो इंडिया सेंटर मैदान में उतरे।

इसमें खेलो इंडिया सेंटर ने 2-0 के अंतर से एकतरफा जीत दर्ज की। आदित्य और ओम ने टीम के लिए गोल किए। तीसरे मैच में स्पोर्ट्स ट्रेनीज ग्रुप ने आमी पब्लिक स्कूल क्लेमेनटाउन को 2-0 के अंतर से शिकस्त दी। ट्रेनीज के लिए राहुल और हरप्रीत ने गोल दागे। चौथे मैच में केवी कंबाइंड और ड्रीमर्स की टीम आमने सामने थी।

रीजनल पार्टी ने टोल प्लाजा को शिफ्ट करने की मांग

देहरादून(आरएनएस)। हरिद्वार हाईवे पर लच्छीवाला टोल प्लाजा को अन्यत्र स्थानांतरित किए जाने की मांग को लेकर गुरुवार को राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी ने एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर से मुलाकात की और उन्हें टोल प्लाजा से संबंधित समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। टोल प्लाजा को दूसरी जगह शिफ्ट न किए जाने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव प्रसाद सेमवाल ने कहा कि यह टोल प्लाजा एलिफेंट कॉरिडोर की जगह पर बना हुआ है।

इसके अलावा पर्वतीय जिलों से आने वाले वाहनों से अनावश्यक तीन गुना अधिक टोल लिया जा रहा है, इसे तत्काल दो तिहाई तक कम किया जाना चाहिए। कहा कि टोल प्लाजा की दोनों तरफ अत्यधिक ढलान है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं और राजाजी रिजर्व फॉरेस्ट का क्षेत्र होने के कारण इस जगह पर आए दिन हाथी और अन्य जानवर आते रहते हैं। उनका प्राकृतिक वास स्थल पूरी

तरीके से बाधित हो रहा है। प्रदेश अध्यक्ष सुलोचना ईष्टवाल ने कहा कि आगामी 30 मार्च को डोईवाला ब्लॉक सभागार में महापंचायत का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी संगठनों को बुलाया गया है और 30 मार्च को ही शाम चार बजे बजे लक्ष्मी वेटिंग पॉइंट में भी महापंचायत का आयोजन किया गया है। जिसमें टोल प्लाजा को हटाने से संबंधित रणनीति पर चर्चा की जाएगी। छह अप्रैल को टोल प्लाजा पर उग्र प्रदर्शन करके इसे स्थानांतरित करने की मांग की जाएगी।

इस मौके पर रजनी कुकरेती, दयाराम मनोरी, नवीन पंत, राकेश जदली, राजेंद्र गुसाई , विनोद झिंकवान, सुभाष नौटियाल आदि तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे।

शराब ओवर रेटिंग की शिकायत क्यू आर कोड से कर सकेंगे

देहरादून(आरएनएस)। शराब की ओवर रेटिंग करने वालों के खिलाफ अब त्वरित एक्शन लिया जाएगा। आबकारी महकमे ने गुरुवार को मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में विभिन्न शिकायतों के निवारण के लिए क्यूआर कोड रिलीज किया है। गांधी रोड स्थित मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख सचिव एल फैनई और सचिव व आयुक्त आबकारी हरिश्चंद्र सेमवाल ने क्यू आर कोड की लांचिंग की। यह क्यू आर कोड आबकारी के प्रदेशभर के कार्यालयों में और शराब की दुकानों पर चस्पा किए जाएंगे। कोई भी व्यक्ति इसके जरिए ओवर रेटिंग, शराब की अवैध तस्करी आदि शिकायतें दर्ज करा सकेंगे।

आयुक्त सेमवाल ने बताया कि जो भी व्यक्ति क्यूआर कोड के जरिए शिकायतें दर्ज कराएंगे, ऐसी शिकायतों को मैदानी क्षेत्रों में 24 घंटें जबकि पर्वतीय क्षेत्रों की 48 घंटें के भीतर निस्तारित की जाएंगी। इसके अलावा मुख्यालय के वरिष्ठ अफसर शिकायतों की नियमित समीक्षा भी करेंगे।

उप आबकारी आयुक्त प्रभा शंकर मिश्रा ने बताया कि विभाग ने लोगों के हित में यह कदम उठाया है। शिकायतों पर त्वरित निर्णय लिया जाएगा। कार्यक्रम में अपर आबकारी आयुक्त (प्रशासन) नरेंद्र सिंह, अपर आबकारी आयुक्त पीएस

गर्ब्याल,बीएस चौहान,टीके पंत, उप आबकारी आयुक्त आलोक शाह, वरिष्ठ वित्त अधिकारी शुभम तोमर के साथ ही तमाम अफसर मौजूद रहे।

90 फीसदी दुकानों का आवंटन

आबकारी महकमा शराब की दुकानों का अब तक 90 फीसदी आवंटन कर चुका है। ऊधमसिंहनगर, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और पौड़ी में कुछ दुकानें आवंटन होने से बची हैं। उप आबकारी आयुक्त प्रभाशंकर मिश्रा ने बताया कि 31 मार्च तक इन दुकानों को भी पहले आओ, पहले पाओ आफर के जरिए आवंटित कर दिया जाएगा। बताया कि दुकानों के आवंटन से विभाग ने 2500 करोड़ राजस्व का लक्ष्य रखा था, अभी तक विभाग 2200 करोड़ राजस्व अर्जित कर चुका है।

यूएसनगर के छह गांवों में अब समय पर पहुंचेगी डाक

देहरादून(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश से लगे उधमसिंहनगर के छह गांवों के ग्रामीणों के लिए अच्छी खबर है। सभी गांव यूपी सर्किल से उत्तराखंड डाक सर्किल में शामिल हो गए हैं। अब डाक विभाग इन गांवों के लिए नया डाकघर खोलने की तैयारी कर रहा है। उत्तराखंड डाक क्षेत्र में होने से इन गांवों की डाक अब समय पर आदान-प्रदान हो सकेगी। ऊधमसिंहनगर के उलानी, गंगापुर, सुनपहर, मजगमी, जादोपुर और मोहनपुर अभी तक यूपी के बरेली डाक सर्किल में थे। जिस कारण इन गांवों की डाक समय पर नहीं पहुंच पाती थी। डाक विभाग को इसकी लागातर शिकायतें मिल रही थी। निदेशक डाक सेवाएं अनुसूया प्रसाद चमोला ने बताया कि ग्रामीणों की मांग पर सभी गांव अब उत्तराखंड डाक सर्किल में शामिल हो चुके हैं। इसमें सुनपरह समेत छह गांवों को नौसर शाखा डाकघर से संबद्ध किया गया। उन्होंने बताया कि जल्द ही सुनपहर में भी नया शाखा डाकघर खोलने का प्रस्ताव है। इससे डाक आदान-प्रदान में सुविधा होगी। इसके साथ ही गांव के पास ही लोग डाक विभाग की योजनाओं का लाभ ले सकेंगे।

संक्षिप्त खबरें

धामों में जूट, कपड़े के बैग में ही मिलेगा प्रसाद

देहरादून(आरएनएस)। धामों में प्रसाद का वितरण जूट और कपड़े के बैग में ही किया जाएगा। इसके लिए बीकेटीसी की ओर से अपने कर्मचारियों को प्रसाद बॉक्स, जूट बैग और थैलियों को तैयार किए जाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। स्वयंसेवी संस्था सरस्वती जनकल्याण एवं स्वरोजगार संस्थान की ओर से श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के कर्मचारियों को प्रसाद के बाक्स और थैलियां बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गुरुवार को अधिशासी अभियंता अनिल ध्यानी ने चंद्रवदनी मंदिर विश्राम गृह सभागार कारगी चौक में प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। श्री बदरीनाथ धाम और श्री केदारनाथ धाम में प्रसाद के लिए जूट और कपड़े की थैलियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। तीर्थ यात्रियों और आम लोगों की ओर से पॉलीथीन के लिए प्रसाद के बैग प्रयोग में नहीं लाए जाएंगे। हिमालयी पर्यावरण सरंक्षण को जूट और कपड़े के बैग को प्रोत्साहित किया जाएगा। ईई अनिल ध्यानी ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण से बीकेटीसी कर्मचारियों की भी कार्य क्षमता विकसित होगी। समय समय पर ऐसे प्रशिक्षणों का आयोजन किया जाएगा।

बेसिक शिक्षकों की भर्ती का दूसरा चरण जल्द : धन सिंह

देहरादून(आरएनएस)। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बेसिक शिक्षक भर्ती का दूसरा चरण जल्द शुरू करने का आश्वासन दिया। गुरूवार को राज्य के डायट से डीएलएड प्रशिक्षित युवाओं ने शिक्षा मंत्री से उनके यमुना कालोनी स्थित सरकारी आवास में मुलाकात की। उन्होंने कहा कि राज्य के डायट से उनका डीएलएड का बैच तीन महीने पहले पूरा हो गया था। पिछले तीन महीने से सभी युवा रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं। राज्य के स्कूलों में शिक्षकों की कमी पिछले काफी समय से बनीं हुई है। इसके बावजूद भर्ती न होने से स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। मालूम हो कि बीते साल शिक्षा विभाग में 2906 पदों पर शुरू हुई बेसिक भर्ती में पांच चरण की काउंसलिंग की गई है। पांच चरण के बाद भी बड़ी संख्या में पद खाली है। पात्र अभ्यर्थियों के न मिल पाने की वजह से करीब 700 पद अब भी खाली हैं।

जूनियर इंजीनियर्स संवर्ग के समर्थन में आगे आए पेंशनर्स

देहरादून(आरएनएस)। सहायक अभियंता से अधिशासी अभियंता के खाली पदों पर प्रमोशन को लेकर चल रहे टकराव में अब पेंशनर्स भी सामने आ गए हैं। माजरा देहरादून संघ भवन में हुई उत्तराखण्ड पावर जूनियर इंजीनियर्स ऐसोसिएशन सेवानिवृत्त (प्रकोष्ठ) ने 14 अप्रैल तक प्रमोशन न होने पर आंदोलन में भागीदारी का ऐलान किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए संस्थापक अध्यक्ष जीएन कोठियाल ने कहा कि सहायक अभियन्ता से अधिशासी अभियन्ता के पद पर पदोन्नति आदेश 14 अप्रैल तक जारी कर दिए जाएं। आदेश जारी न होने पर प्रस्तावित आंदोलन में शत प्रतित भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। पदोन्नत सहायक अभियंताओं के साथ किसी भी तरह की वादाखिलाफी होने पर विरोध दर्ज कराया जाएगा। किसी भी तरह के अन्याय को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

शिव सेना शिंदे पक्ष ने सौरभ नेगी को बनाया प्रदेश उप प्रमुख

देहरादून(आरएनएस)। शिव सेना शिंदे पक्ष के प्रदेश प्रमुख देवेन्द्र प्रजापति ने गुरुवार को प्रेस क्लब में प्रेसवार्ता का आयोजन कर दून जिले में उप प्रमुखों के पद पर परिवर्तन करते हुए सौरभ सिंह नेगी को प्रदेश उप प्रमुख पद की जिम्मेदारी सौंपते हुए नियुक्ति पत्र प्रदान किया। देवेन्द्र प्रजापति ने सौरभ सिंह नेगी से उम्मीद जताई कि वह संगठन को प्रदेश में संगठन की नीतियों के अनुरुप बाल साहेब ठाकरे के विचारों और एकनाथ शिंदे के मार्गदर्शन में संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे। साथ ही संगठन राज्य के प्रदेश और मैदानी क्षेत्रों में संगठन को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करेगा। इससे पहले सौरभ सिंह नेगी, उत्तम राणा ने अपने समर्थकों समेत शिवसेना की सदस्यता ग्रहण की। जिला प्रमुख कुलभूषण राणा को सहसपुर विधानसभा प्रमुख के पद का दायित्व भी सौंपा गया। मौके पर प्रदेश कार्यालय मुख्य सचिव सत्यवीर सिंह राठौड़, प्रदेश सचिव मुकेश उपाध्याय, महानगर प्रमुख कमल शर्मा, जिला उप प्रमुख वैभव सिंह, जिला उप प्रमुख मुकेश कुमार रावत, जिला महासचिव साहब सिंह भंडारी, जिला महासचिव रुपलाल, राजपुर विधानसभा प्रमुख राकेश रंजन, शाखा प्रमुख मोहित मिश्रा, नंद किशोर, सुभाष कुमार आदि मौजूद रहे।

रोडवेज कर्मचारियों को मिलेगा बढ़े हुए डीए का लाभ

देहरादून(आरएनएस)। सरकार कर्मचारियों का महंगाई भत्ता (डीए) जनवरी 2024 से दो बार बढ़ा चुकी है। सभी विभागों में कर्मचारियों को इसका लाभ मिल भी रहा है, लेकिन रोडवेज कर्मचारियों को अभी तक इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिस कारण कर्मचारियों में आक्रोश है। कर्मचारी प्रबंधन से बढ़े हुए डीए का लाभ देने की मांग कर रहे हैं। सरकार ने जनवरी 2024 में डीए 46 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी किया था। इसके बाद जुलाई 2024 में 50 से बढ़ाकर 53 फीसदी किया। राज्य के सभी विभागों में कर्मचारियों को इसका लाभ मिल रहा है। लेकिन रोडवेज के चार हजार से ज्यादा कर्मचारी को बढ़े हुए डीए का लाभ नहीं मिल पा रहा है। रोडवेज प्रबंधन अभी तक डीए बढ़ोत्तरी के आदेश लागू नहीं कर पाया। हालांकि, कई बार कर्मचारी यूनियनें प्रबंधन से डीए बढ़ाने की मांग कर चुकी है, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश महामंत्री दिनेश पंत का कहना है कि रोडवेज में कभी भी समय पर डीए नहीं मिलता है। कर्मचारियों को सालों तक इसका इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने सभी विभागों के भांति रोडवेज में भी डीए का लाभ समय पर देने की मांग की है।

युवती के नाम फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर आपत्तिजनक सामग्री डाली

देहरादून(आरएनएस)। एक युवती की फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर उसे बदनाम करने और अश्लील सामग्री भेजने के मामले में पटेलनगर कोतवाली में केस दर्ज किया गया है। पीड़िता ने साइबर थाना देहरादून में शिकायत दर्ज कराई थी कि दिसंबर 2024 से कोई अज्ञात व्यक्ति उसकी फोटो और नाम का इस्तेमाल कर फर्जी फेसबुक आईडी बना रहा है।

जनादेश एक्सप्रेस
शुक्रवार 28 मार्च 2025
अखबार नही आंदोलन
www.janadeshexpress.in

संक्षिप्त खबरें

सिंचाई विभाग की भूमि पर बने धार्मिक स्थल को यूपी और हरिद्वार प्रशासन ने कराया ध्वस्त

हरिद्वार(आरएनएस)। सुमन नगर-धनौरी रोड पर सिंचाई विभाग की करीब डेढ़ सौ वर्ग फीट भूमि पर बने अवैध धार्मिक स्थल को गुरुवार को जिला प्रशासन और उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग की टीम ने तीन जेसीबी मशीनें लगाकर ध्वस्त कर दिया। इस दौरान मौके पर पुलिस और पीएसी मौजूद रही। करीब डेढ़ तक घंटे चली कार्रवाई के दौरान धनौरी और हरिद्वार की ओर से आने वाले वाहनों को डायवर्ट कर भेजा गया। जिला प्रशासन और यूपी सिंचाई विभाग की टीम गुरुवार सुबह कनखल और रानीपुर थानों की पुलिस के साथ सुमन नगर में अवैध धार्मिक स्थल को ढहाने के लिए पहुंची। बताया गया कि यहां सिंचाई विभाग की जमीन पर कई साल से अवैध धार्मिक स्थल चल रहा था। जिला प्रशासन की ओर से 10 मार्च को इस धार्मिक स्थल पर 10 दिन का नोटिस चस्पा किया गया था।

इस बार तिथि घटने से आठ दिनों की होगी नवरात्रि

रुड़की(आरएनएस)। इस बार नवरात्रि का त्योहार 30 मार्च से शुरू होगा और छह अप्रैल तक मनाया जाएगा। नवरात्रि के दिनों में पांच विशेष योग बनने और माता की सवारी हाथी होने के चलते इस बार की नवरात्रि सुख समृद्धि से पूर्ण होगी। ज्योतिषाचार्य राकेश शुक्ला ने बताया कि तृतीय तिथि का क्षय होने के कारण 31 मार्च को माता के द्वितीय और तृतीय स्वरूप की पूजा एक साथ की जाएगी। बताया कि इस बार नवरात्रि में सर्वार्थ सिद्ध, ऐंद्र, बुद्ध आदित्य, शुक्र आदित्य, लक्ष्मी नारायण योग बनने से नवरात्रि विशेष फलदायक होगी। बताया कि नवरात्रि में कालसर्प योग बनने से कुछ राशियों पर प्रतिकूल प्रभाव भी पड़ने की संभावना है। उन्होंने बताया कि नवरात्रि में कलश स्थापना का सबसे उपयुक्त मुहूर्त सुबह 6ः15 से 10ः20 बजे के मध्य और दोपहर 11ः52 से 12ः15 बजे के मध्य रहेगा।

अवैध शराब के साथ एक युवक पकड़ा

रुड़की(आरएनएस)। बुधवार रात पुलिस क्षेत्र में गश्त कर रही थी। बड़कला तिराहे के पास एक युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। जिसे रोकने का प्रयास करने पर वह भागने लगा। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली। इस दौरान शराब के 52 पव्वे उसके पास से मिले। उप निरीक्षक प्रदीप चौहान ने बताया कि आरोपी मांगेराम निवासी खेड़ी शिकोहपुर थाना भगवानपुर को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है।

चोरी का प्रयास करता युवक रंगेहाथ पकड़ा

रुड़की(आरएनएस)। गंगनहर कोतवाली की पुलिस ने गुरुवार को जनता के सहयोग से मतलबपुर के पास से एक युवक को चोरी का प्रयास करते हुए गिरफ्तार किया। उसकी पहचान सलीम निवासी सालियार रुड़की के रूप में हुई। गंगनहर कोतवाली इंस्पेक्टर अमरजीत सिंह ने बताया कि मतलबुर के पास युवक चोरी का प्रयास कर रहा था। लोगों ने उसे रंगेहाथ पकड़ लिया। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

लक्सर में तीन मदरसे किए सील

रुड़की(आरएनएस)। क्षेत्र में गुरुवार को लक्सर तहसीलदार प्रताप सिंह चौहान ने कई गांवों में जाकर मदरसों की जांच की। उन्होंने बताया कि सीधडू, ऐथल बुजुर्ग और नगला खिताब गांव स्थित मदरसों के संचालक मान्यता संबंधी दस्तावेज नहीं दिखा पाए हैं इसलिए तीनों मदरसों को सील कर दिया गया है, जबकि कई गांवों में मदरसे बंद मिले हैं। वहां, मदरसा प्रबंधन को 24 घंटे के भीतर मान्यता संबंधी दस्तावेज लक्सर कार्यालय में प्रस्तुत करने का नोटिस दे दिया गया है। नोटिस की अवधि पूरी होने पर आवश्यकतानुसार कार्रवाई की जाएगी।

लक्सर में दो वारंटी पुलिस की गिरफ्त में

रुड़की(आरएनएस)। कस्बे के मोहल्ला लोको कॉलोनी निवासी आरिफ उर्फ दात और टांडा भागमल गांव के कोमल सिंह पर कोर्ट में अलग अलग मुकदमे चल रहे हैं। इसमें तारीख पर न आने के कारण कोर्ट ने दोनों के खिलाफ वारंट जारी कर लक्सर पुलिस को भेजे थे। वारंट के आधार पर एसआई नवीन सिंह चौहान, एएसआई रंजीत नौटियाल, सिपाही विरेंद्र सिंह व दिगंबर राय ने गुरुवार को छापेमारी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

ऊंट पर हमला करने का आरोप लगाया

रुड़की(आरएनएस)। जवाई खेड़ा गांव के एक घेर में बंधे ऊंट पर किसी ने हमला कर दिया। हमले में ऊंट के मुंह पर गंभीर चोट लगी है। चांद निवासी जवाई खेड़ा ने गुरुवार को पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसने अपने घेर में ऊंट बांधा था। बुधवार को किसी ने उसके मुंह पर हमला कर दिया। जिसमें उसका जबड़ा टूट गया। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है।

टेम्पो की टक्कर से बाइक सवार घायल

रुड़की(आरएनएस)। सोहलपुर मानुबास मार्ग पर गुरुवार को एक बाइक और टेम्पो की टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में बाइक सवार शहजाद गंभीर रूप से घायल हो गया। गुरुवार को शहजाद और उसका साथी दिलशाद अपनी बाइक से कही जा रहे थे। माजरी चौराहे के पास पहुंचे तो सामने से आ रहे टेम्पो चालक ने उन्हें ओवरटेक कर टक्कर मार दी। दुर्घटना में शहजाद घायल हो गए। उसे राहगीरों और उसके साथी ने उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों से घटना की जानकारी ली।

पथरी पुलिस ने अलग-अलग मामले में पांच वारंटी दबोचे

हरिद्वार(आरएनएस)। फेरूपुर चौकी त पुलिस ने पांच फरार वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पांचों वारंटी अलग-अलग मामले में फरार चल रहे थे। पथरी थाना अध्यक्ष मनोज नौटियाल ने बताया कि कोर्ट से फरार वारंटी अंकुश पुत्र राकेश निवासी ग्राम फेरुपुर, भूषण पुत्र ऋषिपाल निवासी शाहपुर, संजीव उर्फ संजू पुत्र मांगेराम निवासी बिशनपुर, अजब पुत्र मथुरा निवासी गोविंदगढ़, रकम पुत्र मथुरा निवासी गोविंदगढ़ को गिरफ्तार कर लिया है। पांचो वारंटियों को माननीय न्यायालय समक्ष पेश किया गया। सभी को अलग अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस टीम रोहित कुमार, उप निरीक्षक महेंद्र पुंडीर, ए उ.नि. किशन स्वरूप, कांस्टेबल कांतीराम, अनिल पंवार, सुबोध शर्मा, जयपाल चौहान, दौलत राम, रविन्द्र बीस्ट, नवीन कुमार, जितेंद्र पुंडीर शामिल रहे।

पेयजल संकट पर महिलाओं का प्रदर्शन

हरिद्वार(आरएनएस)। लालढांग पंचायत के मां काली मन्दिर कॉलोनी में पेयजल संकट को लेकर महिलाओं ने प्रदर्शन किया। महिलाओं का कहना है कि बिजली का पोल लगाते समय पानी की लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। इससे लगभग 30 परिवारों को पानी की आपूर्ति बंद हो गई। महिलाओं ने जल संस्थान के खिलाफ नारेबाजी कर धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी। महिलाओं ने बताया कि पिछले 15 दिनों से वे पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। उन्हें एक किलोमीटर दूर हैंड पंप से पानी ढोना पड़ रहा है। अधिकारियों को शिकायत के बाद भी संज्ञान नहीं लिया गया और बढ़ती गर्मी के साथ ग्रामीणों की पानी की किल्लत झेलनी पड़ रही है। प्रदर्शन करने वाली महिलाओं में ममता, जानो, सुशीला देवी, कुसुम, अनिता देवी, मोना, सुनीता, राजकुमारी, गीता, शोभा देवी, विमला, मीना, किरना आदि शामिल थीं।

29 और 30 मार्च को होगा सनातन संस्कृति सम्मेलन

हरिद्वार(आरएनएस)। देव संस्कृति विश्वविद्यालय में सनातन संस्कृति विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन 29 और 30 मार्च को आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सम्मेलन के मुख्य अतिथि होंगे। हंस फाउंडेशन से माता मंगला तथा भोले महाराज, सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, प्रति कुलपति डॉ. चिन्मय पंड्या उद्घाटन सत्र में मौजूद रहेंगे। सम्मेलन में इस सम्मेलन में हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस जौलीग्रांट के अध्यक्ष डॉ. विजय धस्माना, प्रो. लक्ष्मीधर बेहेरा, दून विवि की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल, जीबी पंत विवि को कुलपति प्रो. एमएम चौहान आदि भी भाग लेंगे। सम्मेलन सनातन संस्कृति की प्राचीन ज्ञान परंपरा, उसके मूल्यों

और वैश्विक प्रभावों को समझने को मंच प्रदान करेगा। इस सम्मेलन का आयोजन देवभूमि विकास संस्थान देहरादून और देव संस्कृति विवि की ओर से किया जा रहा है।

फरार किशोर-किशोरी को पुलिस ने पकड़ा

रुड़की(आरएनएस)। लक्सर के एक गांव का किशोर नजदीकी गांव से किशोरी को लेकर फरार हो गया। किशोरी के पिता की सूचना पर पुलिस ने चार घंटे के भीतर ही दोनों को हिरासत में ले लिया। पुलिस किशोरी के पिता की तरफ से मुकदमा दर्ज कर दोनों का मेडिकल परीक्षण करा रही है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति की 15 वर्षीय बेटी बुधवार रात अपने घर पर सोई थी। रात करीब एक बजे उसकी मां की

नींद खुली तो किशोरी घर में नहीं थी। परिवार के लोगों ने इधर उधर देखा, मगर उसका पता नहीं लगा। उन्होंने रात में ही पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी। गुरुवार को किशोरी को पुलिस ने बरामद कर लिया। उसके साथ बगल के गांव में रहने वाले एक किशोर को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है।

क्वांटम विवि में धरोहर महोत्सव का शुभारंभ

रुड़की(आरएनएस)। क्वांटम यूनिवर्सिटी में वार्षिक महोत्सव धरोहर का शुभारंभ गुरूवार को हुआ। 29 मार्च तक चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए एक मंच प्रदान करना है। महोत्सव में भारत के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों के छात्र भाग लेंगे। समारोह के मुख्य अतिथि स्पॉन्सर्ड रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल कंसल्टेंसी आईआईटी रुड़की के डीन अक्षय द्विवेदी ने छात्रों को संबोधित किया। अन्य अतिथि क्वांटम यूनिवर्सिटी के संस्थापक श्याम सुंदर गोयल, अध्यक्ष अजय गोयल, कुलपति डॉ. विवेक कुमार, बोर्ड आफ मैनेजमेंट के सदस्य प्रवीण गर्ग, डॉ. इला द्विवेदी और आईआईटी रुड़की के प्रो. विशाल तिवारी ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

इस दौरान प्रो मनीष श्रीवास्तव, प्रो बृज मोहन सिंह, डॉ सतेंद्र कुमार, डॉ अमित दीक्षित आदि मौजूद रहें।

जनादेश एक्सप्रेस
शुक्रवार 28 मार्च 2025
अखबार नही आंदोलन
www.janadeshexpress.in

संक्षिप्त खबरें

मारपीट के मामले में युवक पर मुकदमा

रुड़की(आरएनएस)। पुलिस ने कुछ दिन पहले घर में घुसकर मारपीट करने के आरोप में एक युवक के खिलाफ गुरुवार को मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। खेलपुर गांव निवासी तौकीर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि एक युवक उनके घर में घुसकर गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। बाद में मौका मिलने पर जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से आरोपी फरार हो गया। थाना प्रभारी सूर्य भूषण नेगी ने बताया कि आरोपी असलम निवासी खेलपुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

अवैध मदरसों पर फंडिंग की जांच बेहद जरुरी

देहरादून(आरएनएस)। अवैध मदरसों पर कार्रवाई के मामले में सरकार के फैसले को सही बताते हुए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांतीय प्रचारक दिनेश सेमवाल ने कहा है कि जो अवैध है उसे रखा ही नहीं जाना चाहिए और प्रदेश में अवैध मदरसे संचालित हो रहे हैं तो उसे हटाना कहीं से भी गलत नहीं है। सरकार का काम है, गलत को सही करना और भाजपा सरकार यही काम कर भी रही है। राजपुर रोड स्थित विश्व संवाद केन्द्र में गुरुवार को हुई प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार अवैध मदरसों पर सख्त कार्रवाई के बाद अब उनकी फंडिंग की जांच कर रही है। जिसकी रिपोर्ट अधिकारी सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय को सौंपेंगे। जांच के बाद यह स्थिति साफ हो सकेगी। उन्होंने कहा कि बीते एक माह में प्रदेश में अवैध मदरसों के खिलाफ व्यापक स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। अब तक पूरे प्रदेश में 136 मदरसों को कागजात पूरे न होने पर सील किया जा चुका है।

अवैध भांग की खेती को करे नष्ट

पौड़ी(आरएनएस)। एनकोर्ड के तहत गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक में जिलाधिकारी डा.आशीष चौहान ने नशे पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए। डीएम ने पुलिस विभाग लक्ष्मणझूला के तहत ड्रग्स की सप्लाई को लेकर छापेमारी करने के निर्देश दिए। कहा कि जिन क्षेत्रों में अवैध रूप से भांग की खेती की जा रही है उन क्षेत्रों में पुलिस और एसडीएम संयुक्त रूप से चेकिंग कर भांग की खेती को नष्ट करे। डीएम ने नशे से होने वाले दुष्प्रभाव की जानकारी छात्र-छात्राओं तक पहुंचाने के लिए शिक्षा विभाग को पाठ्यक्रम तैयार करने, छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने को कहा। बैठक में एसएसपी लोकेश्वर सिंह, सीओ तुषार बोरा, एसडीओ वन आयशा बिष्ट आदि शामिल रहे।

स्कूलों में दी जाएगी नशामुक्ति की शिक्षा

पौड़ी(आरएनएस)। शिक्षा विभाग और डायट चढ़ीगांव ने ड्रग्स पर पाठ्यक्रम तैयार किया है। गुरुवार को अफसरों ने पाठ्यक्रम का ड्राफ्ट जिलाधिकारी डा. आशीष चौहान के सम्मुख रखा। डीएम ने पाठ्यक्रम को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। कहा कि यह पहल युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम है और इसके माध्यम से छात्र नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक होंगे और समाज में बदलाव ला सकेंगे। कहा कि पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को नशे से बचाने और समाज में नशा मुक्त वातावरण बनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस दौरान डायट के अध्यापक हरि शंकर डिमरी ने बताया कि इस पाठ्यक्रम में 11 अध्याय शामिल हैं, जिनमें नशे के प्रभाव, अफीम और खसखस की जानकारी, नशे की लत के परिणाम, कानून, तंबाकू के स्वास्थ्य प्रभाव और शिक्षा जागरूकता सहित अन्य विषय शामिल हैं। कहा कि यह पाठ्यक्रम जल्द ही पुस्तक के रूप में विमोचित होगा और स्कूलों के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा।

घुड़दौड़ी कॉलेज के चार छात्रों का चयन

पौड़ी(आरएनएस)। जीबी पंत प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी संस्थान घुड़दौड़ी के मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग के चार छात्रों का चयन कंपनियों मे हुआ है। संस्थान के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के ओआईसी डा. कमलजीत सिंह भाटिया, मैकेनिकल एवं मैकेनिकल मैन्युफैक्चरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डा. आशुतोष गुप्ता ने बताया कि निखिल जोशी, सचिन कुमार, कपिल भट्ट और उदय कंशाली का एक्सनटेसा बालाजी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी सितारगंज जोकि फ्लोरिंग, पैनल एव डोर्स की निर्माता है में 2.86 लाख के वार्षिक पैकेज के लिए चयन हुआ है। संस्थान के निदेशक डा. वीएन काला ने चयनित छात्रों को शुभकामनाएं दी है। आयोजन में संस्थान के मैकेनिकल एवं मैकेनिकल मैन्युफैक्चरिंग विभाग के प्लेसमेंट समन्वयक सुमित राणा ने बताया कि विभाग के अंतिम वर्ष के शेष छात्रों के विभिन्न कंपनियों में प्लेसमेंट के लिए प्रक्रिया गतिमान है।

पौड़ी में पुरानी पेंशन बहाली को एक को रैली निकलेगी

पौड़ी(आरएनएस)। पुरानी पेंशन बहाली और यूपीएस-एनपीएस का विरोध करने के लिए 1 अप्रैल को पौड़ी में राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली मोर्चा द्वारा रैली निकाली जाएगी। कर्मचारियों द्वारा इस दिन काली पट्टी बांधकर और घरों में अंधेरा कर भी विरोध किया जाएगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर विभिन्न कर्मचारी संगठनों की बैठक का आयोजन किया गया। पौड़ी में आयोजित विभिन्न कर्मचारी संगठनों की बैठक में एक अप्रैल के कार्यक्रम को सफल बनाने की रणनीति बनाई गई। बैठक में राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयदीप रावत, प्रदेश महासचिव सीताराम पोखरियाल, उत्तराखंड कर्मचारी शिक्षक संगठन के अध्यक्ष संजय नेगी, महासचिव मेहरबान सिंह भंडारी, महिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष रनिता विश्वकर्मा ने कहा कि यदि यूनिफाइड पेंशन स्कीम इतनी ही अच्छी है तो हमारे जनप्रतिनिधि इसका लाभ क्यो नहीं ले रहे है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक देश एक चुनाव, एक संविधान एक निशान जैसी बातों से देश को आगे बढ़ाने की बात करते हैं वहीं, कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ नहीं देकर उनके साथ अन्नाय किया जा रहा है। कहा कि सरकार जल्द पुरानी पेंशन बहाली का निर्णय नहीं लेती है तो तो आने वाले समय में राज्य एवं देश के अंदर होने वाले विभिन्न चुनाव में इसका खामियाजा सत्ता रूढ़ दल को भुगतना होगा। कहा कि अर्द्ध सैनिक सैनिक बल के जवान और तमाम सुरक्षा एजेंसियां को भी पुरानी पेंशन योजना से वंचित किया जा रहा है। बैठक में निर्णय लिया गया कि 1 अप्रैल को होने वाले विरोध को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में कर्मचारी विरोध में हिस्सा लेंगे। इस मौके पर फेडरेशन के अध्यक्ष रेवती नंदन डंगवाल, प्रीति, अनिल थपलियाल, सुशील, अंकित भट्ट, जगवीर रौथान, विकास रावत आदि शामिल रहे।

स्वयंसेवियों ने लोगों को जागरूक करने की शपथ ली

ऋषिकेश(आरएनएस)। श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विवि परिसर ऋषिकेश का सात दिवसीय विशेष शिविर गुरुवार को रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच संपन्न हो गया। इस दौरान कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को पौधरोपण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की शपथ भी ली गई। गुरुवार को भरत मंदिर इंटर कॉलेज में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस कैंप के अंतिम दिन स्वच्छता अभियान चलाया गया। समापन पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये, जिसमें एनएसएस स्वयंसेवियों ने गढ़वाली लोकगीत-नृत्य प्रस्तुत किये। वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अशोक कुमार मैन्दोला ने राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष सात दिवसीय शिविर की

आख्या पेश की। मुख्य अतिथि भरत मंदिर इंटर कॉलेज के प्राचार्य यमुना प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि स्वयंसेवकों ने सात दिन, समर्पण, सहयोग और संकल्प के साथ समाज में जागृति लाने क प्रयास किया है। पढ़ाई के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत स्वयंसेवकों के कंधों पर समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने का भी दायित्व है। इस दौरान कैंप में कराई गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के एनएसएस कोऑर्डिनेटर प्रो. गौरव वार्ष्णेय, डॉ. सुनील थपलियाल, लेफ्टिनेंट लखविंदर सिंह, एससी बहुगुणा, कमलेश सकलानी, प्रो. अनीता तोमर आदि मौजूद रहे।

जल पुलिस की तत्परता से बची भाई-बहन की जान

ऋषिकेश(आरएनएस)। मुनिकीरेती स्थित नावघाट पर गुरुवार दोपहर हरिद्वार से परिजनों संग पहुंचे भाई-बहन गंगा के तेज प्रवाह की चपेट में आकर बहने लगे। उन्हें बहता देख परिजनों और घाट पर मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची जल पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर बामुश्किल दोनों को सकुशल बचा लिया। पुलिस के मुताबिक यह घटना गुरुवार दोपहर करीब सवा एक बजे की है। हरिद्वार से राजीव गुप्ता परिवार के साथ नावघाट पर पहुंचे थे। इसी बीच उनका 14 वर्षीय बेटा विष्णु गुप्ता और उसकी 16 वर्षीय बहन इच्छा गुप्ता गंगा में नहाने उतर गईं। अचानक तेज प्रवाह की चपेट में आकर दोनों बहने लगे, तो पिता राजीव के हाथपांव फूल गए। उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से नजदीक ही तैनात जल पुलिस को घटना की सूचना दी। तत्काल मौके पर पहुंचे जल पुलिस के जवानों ने विष्णु और इच्छा को बचाने के लिए बोट की मदद ली। करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद जल पुलिस ने दोनों को सकुशल बाहर निकाला। बेटा और बेटी के सकुशल बचने पर पिता की सांस में सांस आई। उन्होंने जल पुलिस जवानों की त्वरित कार्रवाई पर आभार भी जताया।

मधुमेह रोकने को लोगों को जागरुक करने पर जोर

ऋषिकेश(आरएनएस)। एम्स ऋषिकेश के कॉलेज ऑफ नर्सिंग की ओर से गुरुवार को मधुमेह पर मार्गदर्शन सशक्तीकरण, शिक्षा और कार्रवाई विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मधुमेह की रोकथाम के लिए जागरूकता पर जोर दिया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने विभिन्न सत्रों में व्याख्यान प्रस्तुत किए। इनमें चिकित्सा विभाग से डॉ. मनीष शर्मा, डॉ. राकेश शर्मा और डॉ. ऐश्वर्या के अलावा वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी पंकज और नर्सिंग ट्यूटर मुरली ने मधुमेह देखभाल और प्रबंधन पर प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

कार्यशाला में मधुमेह उपचार में नवीनतम प्रगति, रोगी शिक्षा रणनीतियां और नर्सिंग देखभाल में सर्वोत्तम प्रथाओं आदि विषयों को शामिल किया गया। इंटरैक्टिव चर्चा, व्यावहारिक प्रशिक्षण और केस स्टडी विश्लेषण कार्यशाला की प्रमुख विशेषताएं रहीं, जिससे प्रतिभागियों को मधुमेह प्रबंधन की समग्र जानकारी दी गई। इस अवसर नर्सिंग प्राचार्य डॉ. स्मृति अरोड़ा ने भारत में बढ़ते मधुमेह के बोझ और रोगी देखभाल में नर्सों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नर्सिंग छात्रों को उचित ज्ञान और नैदानिक कौशल से सशक्त बनाना मधुमेह प्रबंधन के

परिणामों में सुधार करेगा। नर्सिंग फैकल्टी डॉ. मनीष शर्मा ने नर्सिंग पेशेवरों के लिए सतत शिक्षा और व्यावहारिक प्रशिक्षण के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कार्यशाला में छात्रों और संकाय सदस्यों की बढ़चढ़कर भागीदारी की सराहना की और रोगियों की देखभाल को बेहतर बनाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को सराहा। नर्सिंग कॉलेज, एम्स ऋषिकेश ने इस तरह की शैक्षिक कार्याशालाओं के माध्यम से अकादमिक उत्कृष्टता और पेशेवर विकास को प्रोत्साहित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि भविष्य के नर्सिंग पेशेवर आधुनिक स्वास्थ्य सेवा की चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह से सक्षम हों। कार्यशाला में आयोजन सचिव डॉ. मनीष शर्मा, टीम सदस्य नर्सिंग ट्यूटर दुर्गा, प्रदीप, मुरली, श्रीविद्या आदि ने योगदान दिया।

जौलीग्रांट में हाथियों ने मचाया उत्पात

ऋषिकेश(आरएनएस)। जौलीग्रांट में बीते बुधवार की देर रात हाथियों ने पांच बीघे गेहूं की फसल रौंद दी। पीड़ित किसानों ने वन विभाग और प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। बुधवार की देर रात हाथियों का एक झुंड जौलीग्रांट पहुंचा। यहां किसानों की पांच बीघा गेंहू की फसल को हाथियों ने पैरों तले रौंद दिया। प्रभावित किसान संजय सोलंकी, सुमन सिंह कृषाली, राजेश सोलंकी और दौलत राणा ने बताया कि हाथियों की धमक लगातार आबादी क्षेत्र में बढ़ रही है, जिससे दिन ढलने के बाद लोग घरों से बाहर निकलने से कतरा रहे हैं। हाथी खेतों में फसलों को पैरों तले रौंद रहे हैं, जिससे आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। वन विभाग के अधिकारियों को कई बार इसकी शिकायत की गई है, लेकिन वह हाथियों की आमद को रोकने के लिए तैयार ही नहीं दिख रहे हैं। उन्होंने एक बार फिर हाथियों से जानमाल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। वहीं, डोईवाला नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि जौलीग्रांट क्षेत्र में वन्यजीवों की समस्या को लेकर वन विभाग के अधिकारियों से शीघ्र वार्ता की जाएगी।

प्रायोगिक विषय का व्यवहारिक ज्ञान जाना

ऋषिकेश(आरएनएस)। पंडित ललित मोहन शर्मा कैंपस ऋषिकेश में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी की कार्यशाला का उद्घाटन बीएमएलटी ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को प्रायोगिक विषय का व्यावहारिक ज्ञान देना है। गुरुवार को कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में कार्यशाला के समन्वयक प्रो. जीके ढींगरा ने कहा कि परिसर में यह उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की दसवीं कार्यशाला है। कार्यशाला में विभिन्न प्रांतों के प्रतिभागी लाभान्वित हो रहे हैं। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के ऋषिकेश परिसर के समन्वयक डॉ. एस के कुड़ियाल ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों की प्रायोगिक विषय का व्यावहारिक ज्ञान देना है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में वनस्पति विज्ञान, जंतु विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं भौतिक विज्ञान के छात्र-छात्राएं उपस्थित हैं। डॉ. एसके नौटियाल ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। मौके पर प्रो. एसपी सती, डॉ. सुरमान आर्य, डॉ. शालिनी रावत, डॉ. प्रीति खंडूड़ी, डॉ. एसके नौटियाल, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. सफिया खान, डॉ. अर्जुन, देवेन्द्र भट्ट, पूजा, मुकेश, पवन एवं श्रवण आदि उपस्थित रहे।

पौड़ी में 21 पर्यावरण मित्रों का एक दिन वेतन रोकापौड़ी में 21 पर्यावरण मित्रों का एक दिन वेतन रोका

पौड़ी(आरएनएस)। नगर पालिका पौड़ी के 21 पर्यावरण मित्रों को ड्यूटी के प्रति लापरवाही बरतना भारी पड़ गई है। पालिका के अधिशासी अधिकारी एसपी जोशी ने सफाई ड्यूटी स्थलों का औचक निरीक्षण किया। जिसमें 8 ड्यूटी स्थल व डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था में सेवारत 13 पर्यावरण मित्र नदारद मिले। ईओ जोशी ने तत्काल सभी नदारद 21 पर्यावरण मित्रों के एक दिन के वेतन पर रोक लगाए जाने के निर्देश दिए। कहा कि पौड़ी में सफाई व्यवस्था चाक-चौबंद बनाए रखने में हर कर्मचारी को अहम योगदान देना होगा। सफाई व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी। नगर पालिका पौड़ी के अधिशासी अधिकारी एसपी जोशी ने पालिका क्षेत्र के बस अड्डा, लोअर बाजार, एजेंसी चौक सहित विभिन्न सफाई ड्यूटी स्थलों का औचक निरीक्षण किया। जिसमें शहर में सफाई के मानकों में सुधार को लेकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बताया कि पालिकाध्यक्ष पौड़ी का स्वच्छता पर विशेष फोकस है।

जिलाधिकारी पौड़ी ने सफाई मानकों में गुणात्मक सुधार के निर्देश दिए हैं। जिसको लेकर सफाई ड्यूटी स्थलों का निरीक्षण किया गया। बताया कि निरीक्षण में 15 पर्यावरण मित्र अनुपस्थित पाए गए, जिसमें से 7 ने विधिवत अवकाश लिया था लेकिन 8 पर्यावरण मित्र ड्यूटी से गायब पाए गए। बताया कि डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन में सेवारत 13 पर्यावरण मित्र भी ड्यूटी से गायब मिले। कहा ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले समस्त पर्यावरण मित्रों के एक दिन का वेतन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। बताया कि पीएम आवास शहरी के तहत स्वीकृत एक लाभार्थी द्वारा आवास निर्माण नहीं किए जाने पर उसे ड्रॉपआउट श्रेणी में डालने के साथ ही आंवटित धनराशि 1.80 लाख की वसूली कर ली गई है।

जनादेश एक्सप्रेस
शुक्रवार 28 मार्च 2025
अखबार नही आंदोलन
www.janadeshexpress.in

शिविर में दर्ज हुईं 14 शिकायतें

पौड़ी(आरएनएस)। भाजपा के सत्ता में तीन साल पूरे होने पर बीरोंखाल ब्लॉक मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित शिविर 14 शिकायतें दर्ज हुईं। एसडीएम ने सभी शिकायतों का समय पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुयेश रावत ने कहा कि दूरस्थ क्षेत्र के लोगों को सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। कहा कि सरकार लगातार जनता की सुविधायों के लिए दूरस्थ क्षेत्रों में बहुद्देशीय शिविर लगा रही हैं। इस मौके पर 64 जन्म प्रमाण पत्र, चार मृत्यु प्रमाण पत्र और 30 विरासती दाखिलखतों का निस्तारण मौके पर किया गया।

हॉट मिक्स प्लांट को शिफ्ट करने की मांग

चमोली(आरएनएस)। चमोली जिले की मंडल घाटी के ग्रामीणों ने बैरागणा-सिरोखोमा मोटर मार्ग पर संचालित हॉट मिक्स प्लांट को अन्यंत्र शिफ्ट करने की मांग जिलाधिकारी से की है। दशोली ब्लॉक के पूर्व प्रमुख भगत सिंह बिष्ट ने बताया कि इस हॉट मिक्स प्लांट के जहरीले धुएं से क्षेत्र की जनता के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। लोग परेशान हैं। ग्रामीणों ने कहा ग्रामीणों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बने हाट मिक्स प्लांट के धुएं की स्थिति के बारे में पूर्व में भी प्रशासन को स्थिति से अवगत कराया गया। पर अभी तक यह हाट मिक्स प्लांट हटाया नहीं गया।

शिविर में 90 ग्रामीणों की जांच की

चमोली(आरएनएस)। चमोली जिले के पोखरी में ÷सेवा, सुशासन और विश्वास÷ कार्यक्रम के तहत जन सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर का शुभारंभ पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र भंडारी और उप जिलाधिकारी अबरार अहमद ने किया। इस अवसर पर शिक्षिका कुसुमलता गडिया और पवित्रा टम्टा को सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 7 लाभार्थियों को 2 लाख की धनराशि के चेक वितरित किए गए। विभिन्न सरकारी विभागों ने ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया, जैसे श्रम विभाग ने 17 कार्ड रिनिवल किए, बाल विकास विभाग ने महालक्ष्मी किट वितरित की, और स्वास्थ्य विभाग ने 90 ग्रामीणों की निशुल्क जांच की।

सिद्धांत व आरव का नवोदय विद्यालय में चयन होने पर खुशी

चमोली(आरएनएस)। द संस्कार सेकेंडरी स्कूल गौचर के सिद्धांत चुनेरा और आरव राणा का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ है। स्कूल के प्रबंधक राजेश लिंगवाल ने उत्कृष्ठ छात्रा की सराहना कर उनके उज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेंद्र बिष्ट, अध्यापक राजेंद्र बिष्ट, रविंद्र चुनेरा, कंचन चौहान, रश्मि, महेश रौतेला, पवन कुमार एवं शोभा साही ने सिद्धांत और आरव का नवोदय विद्यालय में चयन होने पर खुशी जताई है।

नकली नोट रखने के दोषी दो लोगों को सात साल की सजा

चमोली(आरएनएस)। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कर्णप्रयाग की अदालत ने गुरुवार को दो लोगों को नकली नोट रखने के आरोप में सात साल के कठोर कारावास और 50 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया है। दोनों आरोपी जमानत पर थे और अदालत का फैसला आने के बाद पुलिस ने उनको पुरसाड़ी जेल भेज दिया गया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता सुधीर राणा ने बताया कि चार जुलाई 2018 को गौचर में हेलीपैड के पास अरुण कौशल निवासी प्रेमनगर बाजार थाना डोईवाला, जिला देहरादून और पंकज रावत निवासी 108 बाबूलाल चौक हाल सहस्त्रधारा हेलीपैड के समीप देहरादून को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 6 लाख 4 हजार रुपये के नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया था। पकड़े गए नकली नोट दो-दो हजार रुपये के थे। मामले की जांच के बाद पुलिस ने कुछ माह बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया। करीब सात साल तक अदालत में चली सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 10 गवाहों को पेश किया गया। फिर दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद गुरुवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कर्णप्रयाग विनोद कुमार की अदालत ने अभियुक्त अरुण कौशल और पंकज रावत को दोषी पाते हुए सात साल के कठोर कारावास और 50 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। सजा के एलान के बाद दोनों दोषियों को पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के बीच पुरसाड़ी जेल भेज दिया है।

10 मई को लोक अदालत का आयोजन

चमोली(आरएनएस)। जनपद स्थित न्यायालयों में 10 मई को लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव पुनीत कुमार ने बताया कि 10 मई को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला न्यायालय परिसर गोपेश्वर व बाह्य न्यायालय जोशीमठ, कर्णप्रयाग, थराली, पोखरी तथा गैरसैंण में लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत में फौजदारी के मामले, एनआई एक्ट, मोटर दुर्घटना प्रतिकर, वैवाहिक व कुटुम्ब न्यायालयों के मामले, श्रम, भूमि अर्जन के मामले, सिविल अपील, राजस्व के मामले, मनरेगा, विद्युत, जलकर के बिलों, बिक्री कर, आयकर, अप्रत्यक्ष कर वेतन भत्तों, वन आपदा प्रतिकर व अन्य मामलों का निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने सभी न्यायालयों से अधिक से अधिक संख्या में लंबित वादों को लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित करवाने को कहा है। उन्होंने बताया कि वाहन चालान से संबंधित वादों का भी निस्तारण किया जाएगा।

डेढ़ सौ से अधिक मरीजों की जांच की

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। वीर चंद्र सिंह गढ़वाली मेडिकल कालेज श्रीनगर गढ़वाल की इकाई नेशनल मेडिकोस आर्गेनाइज़ेशन (एनएमओ) एवं कान्हा डेंटल क्लिनिक के संयुक्त तत्वाधान में निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर आंगनवाड़ी केंद्र, भागीरथी पुरम, वार्ड नंबर 19, रामलीला मैदान के पास आयोजित किया गया, जिसमें 150 से अधिक मरीजों की जांच एवं उपचार किया गया। इस शिविर में दंत रोग विशेषज्ञ डा. विकास पोखरियाल ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर के समन्वयक डा. अमन भारद्वाज ने बताया कि शिविर में दंत रोगों की जांच, परामर्श, उपचार एवं आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। कहा कि इस दौरान शिविर में दांतों की जांच कराने पहुंचे लोगों को दांतों से संबंधित विभिन्न रोगों के बारे में जानकारी दी गई। शिविर में संजय घिल्डियाल एवं एमबीबीएस छात्र कार्तिक, स्वेतांक, सचिन, वेदांश, ललित, शुभम, प्रत्याक्ष, उत्कर्ष ने अपना योगदान दिया।

चारधाम यात्रा 2025 की तैयारियां जोरों पर

स्वास्थ्य सुरक्षा हेतु 12 भाषाओं में एडवाइजरी जारी, अन्य राज्यों के डॉक्टर भी दे सकेंगे चारधाम में सेवाएं

- धामी सरकार का चारधाम यात्रा 2025 को सुरक्षित, सुगम एवं सफल बनाने हेतु तीर्थयात्रियों की स्वास्थ्य सुरक्षा पर विशेष जोर
- स्वास्थ्य सचिव ने लिखा सभी राज्यों के स्वास्थ्य सचिवों को पत्र, यात्रा से पूर्व स्वास्थ्य जांच, सतर्कता और चिकित्सकीय तैयारियों पर अपने राज्य में करें व्यापक प्रचार-प्रसार

देहरादून(आरएनएस)। उत्तराखंड की विश्व प्रसिद्ध चारधाम यात्रा 2025 की तैयारियां जोरों पर हैं। गंगोत्री-यमुनोत्री धाम के कपाट 30 अप्रैल को खुलेंगे, जिसके साथ यात्रा की विधिवत शुरुआत हो जाएगी। वहीं केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई व बद्रीनाथ धाम के कपाट 4 मई को खुलेंगे। इस बार राज्य सरकार ने तीर्थयात्रियों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को पहले से बेहतर बनाने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत के दिशा निर्देशों में चारधाम यात्रा 2025 को सुरक्षित और स्वास्थ्य-संबंधी दृष्टि से बेहतर बनाने की दिशा में कई बड़े कदम उठाए गए हैं, जो तीर्थ यात्रियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को सुनिश्चित करेंगे। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि तीर्थयात्रियों की स्वास्थ्य सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। राज्य सरकार ने विभिन्न भौगोलिक और जलवायु संबंधी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए 12 भाषाओं में स्वास्थ्य परामर्श एवं एसओपी जारी कर दी है। डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि सभी राज्यों के स्वास्थ्य सचिवों को पत्र के माध्यम से आग्रह किया है कि यात्रा से पूर्व स्वास्थ्य जांच, सतर्कता और चिकित्सकीय तैयारियों पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। विशेषकर, बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री एवं यमुनोत्री जैसे ऊँचे-चढ़ते क्षेत्रों में तीर्थयात्रियों को कठोर जलवायु, निम्न ऑक्सीजन स्तर एवं कठिन मार्ग स्थितियों का सामना करना पड़ता है, अतः तीर्थयात्री जरूरी स्वास्थ्य परीक्षण व आवश्यक तैयारियों के साथ आयें।

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि स्क्रीनिंग प्वाइंट, आपातकालीन सेवाएं और हेलीपैड जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर तीर्थयात्रियों की सहायता सुनिश्चित की जाएगी। इस व्यापक परामर्श को सभी राज्यों में पत्र भेजकर संभावित तीर्थयात्रियों तक आवश्यक जानकारी पहुँचाने का प्रयास किया गया है। राज्य सरकार की यह प्रतिबद्धता चारधाम यात्रा 2025 को सुरक्षित, सुगम एवं सफल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्रद्धालुओं के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं सर्वोच्च प्राथमिकता

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के निर्देशों पर चारधाम यात्रा को पूरी तरह सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग प्रतिबद्ध है। यात्रियों की सुविधा और स्वास्थ्य की देखभाल सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए डॉक्टरों, मेडिकल स्टाफ, ऑक्सीजन सिलेंडर और दवाइयों की पूरी व्यवस्था की गई है। चारधाम यात्रा 2025 के दौरान किसी भी यात्री को स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी कोई परेशानी न हो, इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

चिकित्सा विशेषज्ञों की स्वैच्छिक सेवा

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि इसके अतिरिक्त, राज्यों के स्वास्थ्य सचिवों से यह भी कहा गया है कि वे अपने राज्य से चिकित्सा विशेषज्ञों, विशेषकर हृदय रोग, अस्थि रोग, सर्जन जैसे चिकित्सकों को स्वैच्छिक रूप से चारधाम यात्रा मार्ग पर स्थित चिकित्सालयों में योगदान देने के लिए प्रेरित करें। विशेषज्ञों से अपेक्षित योगदान कम से कम 15 दिनों के लिए होगा, जिससे तीर्थयात्रियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें और चिकित्सकों को मानव सेवा का अवसर मिल सके।

जागरूकता अभियान के तहत प्रचार सामग्री

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि राज्य सरकार ने चारधाम यात्रा से संबंधित स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए क्या करें, क्या न करें और अन्य स्वास्थ्य देखभाल सामग्री भी तैयार की है। ये सामग्री सभी राज्यों में साझा की गई है, ताकि तीर्थ यात्री यात्रा के दौरान स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति जागरूक हो सकें। इसके अलावा, यात्रा मार्ग पर स्थित सभी जनपदों के जिलाधिकारियों को यह निर्देश दिए गए हैं कि वे इस सामग्री को स्थानीय स्तर पर वितरित करें, ताकि आम तीर्थयात्री यात्रा के दौरान आवश्यक स्वास्थ्य सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें।

यात्रा मार्गों पर स्क्रीनिंग प्वाइंट

स्वास्थ्य सचिव ने जानकारी देते हुए बताया कि चारधाम यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों की ब्लड प्रेशर, शुगर, ऑक्सीजन लेवल सहित 28 पैरामीटर की जांच के लिए स्क्रीनिंग प्वाइंट बनाए गए हैं। यह सभी प्वाइंट रजिस्ट्रेशन प्वाइंट के साथ जोड़े गए हैं ताकि यात्रा शुरू करने से पहले यात्रियों की पूरी स्वास्थ्य जांच हो सके। यात्रा मार्ग पर मेडिकल रिलीफ प्वाइंट की संख्या बढ़ाई गई है और वहां पर डॉक्टरों के साथ प्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ और स्वास्थ्य मित्रों की तैनाती की जाएगी।

तीर्थयात्रियों के लिए महत्वपूर्ण सलाह

स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि यात्रा से पहले स्वास्थ्य जांच कराएं और यात्रा की योजना कम से कम सात दिन पहले बनाएं। केदारनाथ और यमुनोत्री यात्रा के दौरान हर एक से दो घंटे में 5-10 मिनट का विश्राम करें। यात्रा के दौरान गर्म कपड़े, रेनकोट, छाता, पल्स ऑक्सीमीटर और थर्मामीटर साथ रखें। हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, मधुमेह से ग्रसित यात्री अपनी जरूरी दवाइयां और डॉक्टर का नंबर साथ रखें। यदि यात्रा के दौरान सीने में दर्द, सांस लेने में कठिनाई, चक्कर या उल्टी महसूस हो तो तुरंत निकटतम मेडिकल रिलीफ प्वाइंट पर जाएं।

हेल्थ एटीएम और टेलीमेडिसिन की सुविधा

यात्रियों की स्वास्थ्य जांच को आसान बनाने के लिए यात्रा मार्गों पर हेल्थ एटीएम लगाए जाएंगे। यहां पर ब्लड प्रेशर, शुगर, ऑक्सीजन लेवल, वजन, लंबाई और शरीर का तापमान मापा जा सकेगा। साथ ही, टेलीमेडिसिन सेवा के तहत 24 घंटे विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श की सुविधा भी दी जाएगी।

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर विशेष ध्यान

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि तीर्थयात्रियों को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें केदारनाथ यात्रा मार्ग के दौरान आती हैं। इसलिए केदारनाथ यात्रा के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत किया गया है। यात्रा मार्ग पर 10 मेडिकल रिलीफ पोस्ट और दो पीएचसी सेंटर स्थापित किए गए हैं। गुप्तकाशी, फाटा, गौरीकुंड और नारायणकोटी में हेल्थ एटीएम लगाए जाएंगे, जहां यात्रियों की फ्री हेल्थ स्क्रीनिंग की जाएगी।

तीर्थयात्रियों के लिए एडवाइजरी

- *यात्रा से पूर्व अनिवार्य स्वास्थ्य जांच कराएं।*
- *कम से कम दो माह पूर्व पैदल चलने, प्राणायाम एवं हृदय संबंधी व्यायाम अपनाएं।*
- *आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त मात्रा साथ रखें।*
- *स्वास्थ्य एवं पर्यटन पंजीकरण ऐप पर अनिवार्य पंजीकरण करें।*
- *पर्याप्त जल, संतुलित आहार एवं हल्के गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें।*
- *स्क्रीनिंग केंद्र एवं चिकित्सा राहत पोस्ट का लाभ उठाएं।*
- *हल्की परतों वाले कपड़े, गरम वस्त्र, दस्ताने एवं ऊनी सामग्री साथ रखें।*

जल संकट और संरक्षण पर विमर्श, विशेषज्ञों ने रखी विस्तृत कार्ययोजना

अल्मोड़ा(आरएनएस)। ग्रीन हिल्स ट्रस्ट और अल्मोड़ा जिला गंगा सुरक्षा समिति के तत्वावधान में ÷वारी विमर्श÷ जल पर चर्चा÷ श्रृंखला का तीसरा आयोजन गुरुवार को नगर के एक होटल के सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अल्मोड़ा नगर निगम के मेयर अजय वर्मा ने की। गोष्ठी में मुख्य वक्ता प्रो. जे. एस. रावत, वैज्ञानिक जी. सी. एस. नेगी (मानसखंड, अल्मोड़ा विज्ञान केंद्र), डीएफओ अल्मोड़ा दीपक कुमार और पद्मश्री डॉ. ललित पांडे सहित कई विशेषज्ञ मौजूद रहे। वक्ताओं ने घटते जलस्तर, सूखती जलधाराओं और जलस्रोतों पर चिंता व्यक्त करते हुए उनके पुनर्जीवन के लिए विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की। डॉ. ललित पांडे ने जल संरक्षण को लेकर बनाई जा रही योजनाओं की उपयोगिता पर चर्चा करते हुए कहा कि समस्या यह नहीं कि योजनाएं बनाई जा रही हैं, बल्कि असली सवाल यह है कि इनका कार्यान्वयन कौन करेगा। उन्होंने इस विषय पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम के दौरान स्वाल नदी पर किए गए वैज्ञानिक शोध और इसके आध्यात्मिक व पर्यावरणीय महत्व को दर्शाने वाली पुस्तक ÷स्वाल÷ ए स्पिरिचुअल वॉयेज - ए सोलफुल एंड साइंटिफिक इंटरवेंशन इन रिवर रीजुवेनेशन÷ के मुख्य पृष्ठ का अनावरण भी किया गया। गोष्ठी का सफल संचालन ग्रीन हिल्स ट्रस्ट की डॉ. वसुधा पंत ने किया। कार्यक्रम में 100 से अधिक लोगों ने भाग लिया और जल संरक्षण पर विचार साझा किए।

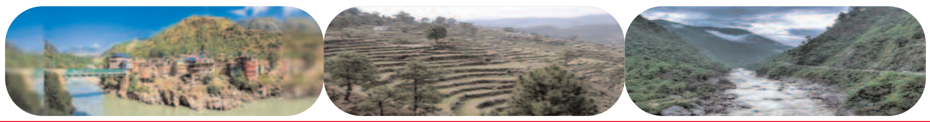

जनादेश एक्सप्रेस
शुक्रवार 28 मार्च 2025
अखबार नही आंदोलन
www.janadeshexpress.in

पीएम श्री जीजीआईसी बाड़ेछीना में नागरिकता शिक्षा व संवैधानिक मूल्यों पर कार्यशाला

अल्मोड़ा(आरएनएस)। पीएम श्री राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, बाड़ेछीना में नागरिकता शिक्षा, संवैधानिक मूल्य और भारत की जानकारी विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी हरीश रौतेला रहे, जबकि डाइट अल्मोड़ा से राजनीति विज्ञान के प्रवक्ता हरिवंश बिष्ट ने बतौर वक्ता सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने छात्राओं को नियमित दिनचर्या के साथ पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया और भारतीय संविधान की प्रस्तावना एवं उसमें निहित अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी। हरिवंश बिष्ट ने संविधान में समानता, गुणवत्ता और जवाबदेही के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नई शिक्षा नीति 2020 में भी समावेशिता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्राथमिकता दी गई है। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित क्विज प्रतियोगिता में कनिका तिवारी ने प्रथम स्थान, भावना चम्याल ने द्वितीय स्थान और संयुक्त रूप से गीतांजलि व काजल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजयी छात्राओं को खंड शिक्षा अधिकारी ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर विद्यालय की वेबसाइट का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम में उप शिक्षा अधिकारी प्रशांत कुमार चौहान, डॉ. कैलाश सिंह डोलिया, हरी सिंह ढेला, प्रधानाचार्य प्रीति पंत, तनुप्रिया खुल्बे, जानकी राणा, रेखा मेहता, किरण पाटनी, ममता भट्ट, भावना बिष्ट, शैलजा नयाल, मोनिका सहित छात्राएं उपस्थित रहीं।

डॉ रमेश सिंह पाल प्रतिष्ठित भारतीय साहित्य पुरस्कार से सम्मानित

अल्मोड़ा(आरएनएस)। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा में कार्यरत वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ रमेश सिंह पाल को उनकी हाल ही में प्रकाशित पुस्तक ÷मृत्यु से मुक्ति तक÷ के लिए कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार से सम्बद्ध भारतीय साहित्य और कला सोसाइटी, बंगलूरू द्वारा प्रतिष्ठित भारतीय साहित्य पुरस्कार, 2025 से सम्मानित किया गया है। दिसम्बर, 2024 में प्रकाशित यह पुस्तक श्रीमद भागवत महापुराण के प्रसंगों को आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टि प्रदान करते हुए लिखी गई है। अल्मोड़ा निवासी डॉ. रमेश सिंह पाल, कृषि अनुसंधान के साथ- साथ आध्यात्मिक साहित्य जगत में अपना उल्लेखनीय योगदान दे रहे है। उनके इसी योगदान के लिए भारतीय साहित्य और कला सोसाइटी द्वारा उन्हें प्रतिष्ठित भारतीय साहित्य पुरस्कार, 2025 प्रदान किया गया है। डॉ पाल की अभी तक विभिन्न आध्यात्मिक विषयो पर चार पुस्तके प्रकाशित हो चुकी हैं और उनकी सभी पुस्तकों को देश की संसद लाइब्रेरी के साथ-साथ, विश्वविद्यालयों और भारत सरकार के प्रतिष्ठित संस्थानों के पुस्तकालयों में सम्मिलित किया गया है। बता दें कि डॉ. पाल यूनेस्को समावेशी नीति

प्रयोगशाला के लिए भारत के विशेषज्ञ भी हैं। डॉ पाल ने इस सम्मान के लिए सभी पाठकों का धन्यवाद किया। डॉ पाल की इस उपलब्धि पर नगर महापौर अल्मोड़ा अजय वर्मा, विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा के कर्मचारियों के साथ- साथ साहित्य जगत से जुड़े लोगो ने खुशी व्यक्त की है।

कार से 43.580 किलो गांजा बरामद, 02 तस्कर गिरफ्तार

अल्मोड़ा(आरएनएस)। नशे के खिलाफ अभियान में भतरौजखान पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गुरुवार तड़के चेकिंग के दौरान ब्रेजा कार से 43.580 किलो अवैध गांजा बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया। बरामद किए गए गांजे की कीमत 10.89 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। इस सफलता पर एसएसपी अल्मोड़ा ने पुलिस टीम को 5000 रुपये का नगद इनाम देकर सम्मानित किया। एसएसपी देवेंद्र पींचा के निर्देशन में जिलेभर में नशे के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में गुरुवार की सुबह भतरौजखान पुलिस ने चौड़ीघट्टी तिराहे पर चेकिंग के दौरान ब्रेजा कार (यूपी 15-सीवाई-4078) को रोका। तलाशी के दौरान वाहन में 43.580 किलो गांजा बरामद हुआ, जिसे सराईखेत से रामनगर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने चालक राजेंद्र सिंह और उसके साथी गौरव सैनी को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। गिरफ्तार तस्कर गांजे को ऊंचे दामों पर बेचने की फिराक में थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजेंद्र सिंह पुत्र लोकपाल सिंह, निवासी दड़ियाल, थाना टांडा रामपुर और गौरव सैनी पुत्र रघुवीर सैनी, निवासी हल्दुवा लम्बरदारपुरी, रामनगर के रूप में हुई है। यहाँ पुलिस टीम में थानाध्यक्ष भतरौजखान सुशील कुमार, उपनिरीक्षक मोहन चंद्रा, हेड कांस्टेबल हरजिंदर सिंह और कांस्टेबल जगदीश चंद्र शामिल रहे।

जिलाधिकारी ने राजकीय शिशु बाल गृह का किया निरीक्षण

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय ने अल्मोड़ा के बख स्थित राजकीय शिशु बाल गृह, राजकीय महिला कल्याण एवं पुनर्वास केंद्र तथा राजकीय बाल गृह किशोरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने इन संस्थाओं के बारे में विभिन्न जानकारियां प्राप्त की। उन्होंने यहां बच्चों से बात की तथा उनकी समस्याओं आदि के बारे में पूछा। जिलाधिकारी ने बच्चों एवं किशोरियों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बच्चों ने जिलाधिकारी से गणित, विज्ञान एवं अंग्रेजी के शिक्षक की मांग की जिस पर जिलाधिकारी ने मौके पर ही मुख्य शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अथवा खनन न्यास से यहां विज्ञान, गणित एवं अंग्रेजी के शिक्षकों की व्यवस्था की जाए जिससे बच्चों की इन विषयों पर अच्छी समझ विकसित हो सके। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने यहां भोजनालय, डायनिंग हाल, टॉयलेट, डोरमेट्री आदि में साफ सफाई को परखा। जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों को दी जाने वाली सुविधाओं में कटौती न की जाए। बच्चों

के पढ़ाई लिखाई पर अच्छे से ध्यान दिया जाए तथा उनमें साफ सफाई की आदतों एवं अन्य करिकुलम को बढ़ाया जाए। यहां मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आर सी पंत, मुख्य शिक्षा अधिकारी अत्रेय सयाना, जिला प्रोबेशन अधिकारी कल्पना मनराल, अधीक्षिका किशोरी गृह मंजू उपाध्याय, अभिलाषा तिवारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध अंग्रेजी शराब के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जिले में नशे के खिलाफ कार्रवाई को लेकर पुलिस सख्त कदम उठा रही है। इसी क्रम में भतरौजखान पुलिस ने बुधवार को भिकियासैंण रोड पर चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति को अवैध अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से दो पेटी में भरी 12 बोतल और 24 अध्धे मैकडॉवेल्स शराब बरामद की। एसएसपी देवेंद्र पींचा के निर्देश पर जिलेभर में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान राजेंद्र सिंह, पुत्र नंदन सिंह, निवासी बगड़वार, भतरौजखान के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना भतरौजखान में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल किए गए वाहन को भी सीज कर लिया है। यहाँ पुलिस टीम में उपनिरीक्षक करतार सिंह, हेड कांस्टेबल नारायण सिंह और हेड कांस्टेबल अरविंद चौधरी शामिल रहे।

शराब विरोधी आंदोलन को मिला स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का समर्थन

अल्मोड़ा(आरएनएस)। सोनी बिनसर महादेव धाम में शराब की दुकान हटाने की मांग को लेकर जारी क्रमिक अनशन के नौवें दिन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आनंद सिंह बिष्ट भी विरोध में शामिल हो गए। उन्होंने कृषक कृषि बागवानी और उद्यमी संगठन के महासचिव दीपक करगेती को समर्थन देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शराब की दुकानें खुलवाने का वे घोर विरोधी हैं और इस आंदोलन में हर संभव सहयोग देंगे। उन्होंने मांग की कि शराब की दुकान का निरस्तीकरण जल्द से जल्द किया जाए और इस पवित्र धाम को धाम ही रहने दिया जाए। आंदोलन को समर्थन देने पहुंची जिला पंचायत सदस्य शोभा रौतेला ने कहा कि शांत वादियों में शराब का अड्डा बनाने वालों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। इस फैसले से न सिर्फ ग्रामीणों की सुरक्षा खतरे में पड़ेगी, बल्कि सनातन संस्कृति की भावना को भी ठेस पहुंचेगी। आंदोलन में हिमांशु आर्या, हेमंत रौतेला, उमेश माशीवाल, विपिन उपाध्याय, चेतन बिष्ट, तरुण उपाध्याय, अमित उपाध्याय सहित कई लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लमगड़ा का किया निरीक्षण

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय ने विकासखंड लमगड़ा के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, तहसील कार्यालय लमगड़ा तथा खंड विकास कार्यालय लमगड़ा का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी सर्वप्रथम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लमगड़ा पहुंचे। यहां उन्होंने डॉक्टर उपस्थिति पंजिका, ओपीडी रजिस्टर, दवाई घर, टीकाकरण कक्ष आदि का निरीक्षण किया तथा डॉक्टर्स को निर्देश दिए कि अस्पताल आने वाले मरीजों एवं तीमारदारों से अच्छा व्यवहार रखें। उन्हें बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराएं। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि अस्पताल की 108 एम्बुलेंस को चाक चौबंद रखा जाए ताकि आवश्यकता पड़ने पर उसे प्रयोग में लाया जा सके। इसके पश्चात जिलाधिकारी तहसील कार्यालय लमगड़ा पहुंचे। यहां उन्होंने विभिन्न पटलों का अवलोकन कर जिलाधिकारी ने तहसील कार्यालय में आए फरियादियों से वार्ता भी की तथा उनकी समस्याओं को सुना तथा जल्द ही उनकी

तहसील के कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने यहां तहसीलदार लमगड़ा को निर्देश दिए कि जो भी मामले उनके स्तर पर लंबित हैं, उन्हें जल्द से जल्द निस्तारित किया जाए। समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने खंड विकास कार्यालय लमगड़ा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खंड विकास अधिकारी से विकासखंड में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त की। खंड विकास अधिकारी को निर्देश दिए लोगों को आजीविका से जोड़ने के कार्यों पर ज्यादा फोकस करें।

उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा आजीविका गतिविधियों को जोड़ा जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने विकासखंड में मनरेगा कार्यों समेत विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की तथा कार्यों को गुणवत्ता के साथ तेजी से करने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आरसी पंत, उपजिलाधिकारी जैंती/भनोली एनएस नगनयाल, खंड विकास अधिकारी निवेदिता खुल्बे, तहसीलदार बालम सिंह बिष्ट समेत अन्य उपस्थित रहे।

संपादकीय

कुआँ सूखने पर ही पता चलता है पानी की कीमत

एक सुदूर घाटी में बसे गांव में एक झरना था जिसे जीवन धारा कहा जाता था। पीढ़ियों तक ग्रामीणों ने इसका उपयोग किया, लेकिन जब आधुनिक सुविधाएं आईं, तो यह उपेक्षित हो गया। एक साल, भीषण सूखे ने झरने को सुखा दिया, और तभी ग्रामीणों को इसकी कीमत का एहसास हुआ। यह कहानी दर्शाती है कि हम अक्सर किसी चीज़ के महत्व को तब तक नहीं समझते जब तक वह खत्म नहीं हो जाती। पानी जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं जैसे स्वास्थ्य, संबंध और स्वतंत्रता का प्रतीक है। हम अक्सर मान लेते हैं कि ये हमेशा बने रहेंगे, परंतु जब यह संकट में होते हैं, तभी हम उनकी कीमत समझते हैं। जीवन की क्षणभंगुरता हमें वर्तमान का आदर करने के लिए प्रेरित करती है। जैसे नल से पानी की सतत आपूर्ति को हम सामान्य मानते हैं, वैसे ही हम अपनों, स्वास्थ्य और स्वतंत्रता को भी हल्के में लेते हैं। जब संसाधन प्रचुर मात्रा में होते हैं, तो हम उनकी कद्र करना छोड़ देते हैं। अरस्तू के नैतिक दर्शन के अनुसार, जागरूकता और संतुलन ही सच्चे गुणों को जन्म देते हैं। भरे कुएं का पानी हमें कृतज्ञ नहीं बनाता, परंतु पानी की कमी हमें उसकी महत्ता सिखाती है। 1930 के दशक की महामंदी ने लोगों को यह समझाया कि संसाधनों की उपलब्धता और कमी का चक्र कैसा होता है। ग्रीक त्रासदियों में अक्सर चरित्रों को जीवन का सच्चा अर्थ तब पता चलता है जब वे सब कुछ खो चुके होते हैं। शेक्सपियर के किंग लियर को प्यार की वास्तविकता तब समझ आई जब वह धोखा खा चुका था। महामारी ने भी हमें सामाजिक मेलजोल की अहमियत सिखाई। मानवता बार-बार संसाधनों का दुरुपयोग करती है और फिर संकट के समय उन्हें बचाने का प्रयास करती है। नीत्शे की शाश्वत पुनरावृत्ति की अवधारणा बताती है कि जब तक हम सच में नहीं सीखते, हम वही गलतियाँ दोहराते हैं। 1930 के डस्ट बाउल संकट ने कृषि को नुकसान पहुँचाया, जिससे सबक लेकर सुधार हुए, लेकिन समय के साथ लोग फिर लापरवाह हो गए। दर्शन कहता है कि किसी चीज़ का मूल्य उसकी उपयोगिता से निर्धारित होता है। जल की वास्तविक कीमत उसकी उपलब्धता के अनुसार बदलती है। उप-सहारा अफ्रीका में पानी की कमी ने जल संरक्षण के नए समाधान उत्पन्न किए। इसी तरह, जब कोई संसाधन दुर्लभ हो जाता है, तब उसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। जल संकट सिर्फ मानव जीवन ही नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित करता है। पारिस्थितिक दर्शन बताता है कि हमें प्रकृति के प्रति जागरूक होना चाहिए। अरल सागर का सूखना इसका उदाहरण है, जिससे सामाजिक और आर्थिक संकट पैदा हुए। यदि हम संसाधनों को संरक्षित नहीं करते, तो हमारा अस्तित्व भी खतरे में पड़ सकता है। धार्मिक और दार्शनिक परंपराएँ बताती हैं कि वंचना मूल्य की गहरी समझ देती है। रमज़ान के उपवास लोगों को भोजन की कीमत और जरूरतमंदों की स्थिति का एहसास कराते हैं। इसी तरह, कठिनाइयाँ हमें जीवन की असली जरूरतों का महत्व सिखाती हैं। नव अस्तित्व प्रकृति पर निर्भर है, और जल संकट इस निर्भरता को दर्शाता है। फुकुशिमा परमाणु आपदा ने भी दिखाया कि तकनीकी विकास के बावजूद हम प्राकृतिक शक्तियों के आगे असहाय हैं। यह हमें हमारे संसाधनों की सीमाओं का सम्मान करना सिखाता है। पानी जीवन देता है, परंतु बाढ़ और सुनामी जैसी आपदाओं से विनाश भी ला सकता है। ताओवाद के अनुसार, जीवन विरोधाभासों से भरा है, और हमें संतुलन बनाए रखना सीखना चाहिए। विभिन्न संस्कृतियों में जल को शुद्धिकरण का प्रतीक माना जाता है।

रोकना होगा राजनीति में बढ़ते अपराधीकरण को

अभय कुमार
(प्रधान संपादक)

ऐसे नेता राजनीति में आने के लिए पहले खूब पैसा खर्च करते हैं और जब किसी पद पर पहुंच जाते हैं तो जमकर भ्रष्टाचार कर पैसा कमाते हैं।

हमारे देश के राजनेताओं में दिन-प्रतिदिन नैतिकता कम होती जा रही है। कई बड़े नेता आए दिन विवादास्पद बयान देखकर चर्चाओं में बने रहते हैं। वहीं बहुत से निर्वाचित विधायकों, सांसदों, मंत्रियों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों पर अपराधिक मामले दर्ज हो रहें हैं। जिससे राजनीति के क्षेत्र में काम करने वालों की छवि खराब होती जा रही है। देश की राजनीति में आज अपराध का इतना घालमेल हो गया है कि पता ही नहीं चलता कि कौन सा जनप्रतिनिधि अपराधी है और किसकी छवि स्वच्छ है। अपराधी प्रवृत्ति के लोगों के नेता बनने से जहां राजनीतिक दागदार हुई है। वहीं नेताओं की जनता की दूरी भी बढ़ने लगी है। मौजूदा समय में राजनीतिक व्यवसाय बन चुकी है। राजनीति में वही लोग सफल होते हैं जो या तो बड़े नेताओं के परिवार से है या फिर बहुत पैसे वाले हैं। राजनीति के क्षेत्र में अब सेवा, संगठन, वफादार कार्यकर्ताओं का कोई महत्व नहीं रह गया है। राजनीति पूरी तरह पैसों की चकाचौंध में लिप्त हो गई है।

एक समय था जब धरातल पर काम करने वाला पार्टी कार्यकर्ता आगे चलकर जनप्रतिनिधि बनता था। जमीन से उठकर आगे आने वाला नेता आम जनता से जुड़ा रहता था और वह जनता के सुख-दुख से वाकिफ भी होता था। इसलिए वह आमजन के हित में काम करता था। मगर अब लोग पैसे के बल पर पैराशूट से उतरकर राजनीति करने लगे हैं। वह पैसे के बल पर ही चुनाव जीत जाते हैं। इसलिए उन्हें आमजन की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं रहता है। ऐसे नेता पांच सितारा संस्कृति के वाहक होते हैं। ऐसे नेता राजनीति में आने के लिए पहले खूब पैसा खर्च करते हैं और जब किसी पद पर पहुंच जाते हैं तो जमकर भ्रष्टाचार कर पैसा कमाते हैं। ऐसे लोगों के कारण ही आज राजनीति समाज सेवा की बजाय व्यवसाय बन गई है।

1971 के लोकसभा चुनाव में झुंझुनू सीट पर देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने के कृष्ण कुमार बिड़ला को हराने वाले शिवनाथ सिंह गिल को मैंने 1998 से 2003 में विधायक के रूप में देखा है। वह अपने क्षेत्र से जयपुर जाते या अपने घर से विधानसभा जाते हमेशा सरकारी बस का ही उपयोग करते थे। कभी निजी गाड़ियों से नहीं घूमते थे। इसी के चलते उन्होंने राजनीति में 50 साल लंबी पारी खेली थी। वह ईमानदार थे इसीलिए ईमानदारी से रहते थे। आज हम देखते हैं कि राजनीतिक दलों के छोटे-छोटे कार्यकर्ता भी कई लाख रूपयों की महंगी गाड़ियों में घूमते हैं। पार्टी का कोई नेता उनसे यह नहीं पूछता है कि इतनी महंगी गाड़ियां खरीदने के लिए पैसे कहां से आता है। सबको पता है की राजनीति में आज छूट-भैया नेता भी सत्ता की दलाली में पैसा कमा रहे हैं। दलाली के पैसों में बड़े नेताओं का भी

हिस्सा होता है। इसीलिए उनकी तरफ कोई अंगुली नहीं उठाता हैं।

चुनाव सुधार पर काम करने वाली एक गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की एक रिपोर्ट में सामने आया है कि देश के 45 प्रतिशत विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस संगठन ने देश के 28 राज्यों और विधानसभा वाले तीन केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 4123 विधायकों में से 4092 के चुनावी हलफनामे का विश्लेषण किया है। जिसमें आंध्र प्रदेश के सबसे ज्यादा 174 में से 138 यानी 79 प्रतिशत विधायकों ने जबकि सिक्किम में सबसे कम 32 में से सिर्फ एक विधायक 3 प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। तेलुगु देशम पार्टी के सबसे ज्यादा 134 विधायकों में से 115 यानि 86 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

उक्त रिपोर्ट से पता चला कि 1861 विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है। इसमें 1205 पर हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं। रिपोर्ट के अनुसार 54 विधायकों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत हत्या के आरोप हैं। वहीं 226 पर धारा 307 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत हत्या की कोशिश के आरोप हैं। इसके अलावा 127 विधायकों पर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले दर्ज हैं। इनमें 13 पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 376 और 376 (2)(द) के तहत बलात्कार का आरोप है। धारा 376 (2)(द) एक ही पीड़ित के बार-बार यौन उत्पीड़न से संबंधित है।

एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट के अनुसार 543 लोकसभा सदस्यों में से 251 (46 प्रतिशत) के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। उनमें से 27 को दोषी ठहराया गया है। रिपोर्ट के अनुसार लोकसभा में चुने जाने वाले आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे उम्मीदवारों की यह सबसे बड़ी संख्या है। कुल 233 सांसदों (43 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए थे। जबकि 2014 में 185 (34 प्रतिशत), 2009 में 162 (30 प्रतिशत) और 2004 में 125 (23 प्रतिशत) सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2024 में लोकसभा के लिये चुने गये 251 उम्मीदवारों में से 170 (31 प्रतिशत) पर बलात्कार, हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध सहित गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

बार-बार समाज को झकझोरते सवेंदनहीन, अमानवीय फैसले

-प्रियंका सौरभ-

17 मार्च को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक ऐसा फैसला सुनाया, जिसने कानूनी गलियारों से लेकर आम जनता तक सभी को हैरान कर दिया। मामला था नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की कोशिश का, लेकिन कोर्ट ने आरोपी को जमानत देते हुए कुछ ऐसी टिप्पणियाँ कर दीं, जिन पर बवाल मच गया। देखते ही देखते यह मामला गरमाया और सुप्रीम कोर्ट को दखल देना पड़ा। सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत एक्शन लेते हुए हाई कोर्ट की विवादास्पद टिप्पणियों पर रोक लगा दी और यूपी सरकार व केंद्र सरकार से जवाब मांग लिया। अब यह मामला और भी दिलचस्प हो गया है, क्योंकि यह सिर्फ एक कानूनी लड़ाई नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का विषय भी बन चुका है।

हाई कोर्ट के फैसले में कहा गया कि पीड़िता के निजी अंग पकड़ना और नाड़ा खोलने की कोशिश करना %दुष्कर्म की कोशिश% की परिभाषा में नहीं आता। बस, यही बयान आग में घी डालने जैसा साबित हुआ! कानून के जानकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम जनता ने इस पर सवाल उठाए। कई लोगों ने इसे यौन अपराधों के खिलाफ बनाए गए कड़े कानूनों को कमजोर करने वाला करार दिया। पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज इस मामले में हाई कोर्ट की टिप्पणी न केवल चौंकाने वाली थी, बल्कि इसने यह संकेत भी दिया कि शायद न्यायपालिका में कुछ बदलावों की जरूरत है। यह कोई पहला मामला नहीं है जब न्यायपालिका के किसी फैसले ने विवाद खड़ा किया हो। इससे पहले भी कई ऐसे निर्णय सामने आए हैं, जिन्होंने यौन हिंसा से जुड़े मामलों में न्याय व्यवस्था की संवेदनशीलता पर सवाल उठाए हैं। कई बार पीड़ितों को न्याय मिलने में सालों लग जाते हैं, और कई मामलों में फैसले इतने कमजोर होते हैं कि अपराधियों को इसका लाभ मिल जाता है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि न्यायपालिका को यौन अपराधों के मामलों में अधिक जागरूक और संवेदनशील होने की जरूरत है। सिर्फ कानून की किताबों में लिखी धाराओं का पालन करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह भी देखना जरूरी है कि इनका समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है।

सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले को गंभीरता से लेते हुए पाया कि इस तरह की टिप्पणियाँ समाज में गलत संदेश दे सकती हैं। इससे भविष्य में अन्य मामलों में भी गलत नज़ीर बन सकती है। ऐसे में, शीर्ष अदालत ने फौरन हाई कोर्ट की विवादास्पद टिप्पणियों पर रोक लगा दी।

इसके अलावा, यूपी सरकार और केंद्र सरकार को भी नोटिस जारी कर दिया गया कि वे इस पर अपना पक्ष रखें। अब देखना दिलचस्प होगा कि सरकारें इस मुद्दे पर क्या रुख अपनाती हैं। यह मामला सिर्फ अदालत तक सीमित नहीं रहा। महिला अधिकार संगठनों, वकीलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इसे अन्याय करार दिया। ट्विटर से लेकर सड़क तक, इस फैसले का जमकर विरोध हुआ।

पीएम की 'ईदी'

प्रधानमंत्री मोदी मुसलमानों में 'ईदी' की सौगात बंटवा रहे हैं। इसे 'सौगात-ए-मोदी' नाम दिया गया है। सौगात के तौर पर एक विशेष किट में महिलाओं के सूट का कपड़ा, मर्दों के लिए कुर्ता-पायजामा, सेवइयां, खजूर, मेवे, चीनी और चावल रखे गए हैं। किट पर प्रधानमंत्री मोदी का चित्र प्रमुखता से उसी तरह छापा गया है, जिस तरह 'मुफ्त अनाज' वाली योजना के बैग पर छपा है। अलबत्ता प्रधानमंत्री के साथ भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कुछ टोपीधारी मुस्लिम चेहरे भी छापे गए हैं। किट पर 'भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा' का नाम भी छपा है। प्रधानमंत्री के इस प्रयास के जरिए भाजपा की निगाहें 32 लाख गरीब मुसलमानों पर टिकी हैं। पार्टी के करीब 32, 000 पदाधिकारी इतनी ही मस्जिदों के संपर्क में हैं, ताकि पात्र मुसलमान को चिह्नित किया जा सके। सच्चर कमेटी की रपट के मुताबिक, करीब 32 फीसदी मुसलमान अनपढ़ और 30 फीसदी गरीब हैं। मुसलमानों में 'पसमांदा' समुदाय है, जिसके 80 फीसदी से अधिक लोग गरीब बताए जाते हैं। प्रधानमंत्री भी अक्सर 'पसमांदा मुसलमानों' का जिक्र करते रहे हैं। उस लिहाज से 32 लाख मुसलमानों को 'ईदी' देना बहुत कम संख्या है। फिर भी एक ऐसा प्रयास किया जा रहा है, जो भाजपा और आरएसएस को भी बहुत पहले करना चाहिए था। प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' नारा भी कितना चरितार्थ होगा, इसका आकलन ईद के बाद किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने 13 अप्रैल को 'बैसाखी' और 18 अप्रैल को 'गुड फ्राइडे' के दिन भी ऐसी ही किट बांटने का निर्णय लिया है।

सवाल है कि 'सौगात-ए-मोदी' के जरिए देश की करीब 15 फीसदी आबादी के एक तबके को राजनीतिक, सामाजिक और सामुदायिक तौर पर भाजपा के साथ जोड़ा जा सकता है? मुसलमान 'जनसंघ' के दिनों से ही इस हिंदूवादी विचारधारा की पार्टी के खिलाफ रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा-एनडीए को देशभर में औसतन 10 फीसदी मुस्लिम वोट मिले थे, जबकि विपक्ष के 'इंडिया गठबंधन' के पक्ष में 65 फीसदी मुसलमानों ने वोट दिए थे, लेकिन गुजरात में भाजपा के पक्ष में 29 फीसदी मुस्लिम वोट आए थे। यहां 'इंडिया' को 59 फीसदी वोट मिले थे। यह प्रतिशत राजस्थान और दिल्ली के चुनावों में भी बढ़ा। प्रधानमंत्री मोदी की 11 साला सत्ता के दौरान औसतन 8 फीसदी मुस्लिम मत ही भाजपा की झोली में आते रहे हैं। हालांकि प्रधानमंत्री आवास योजना में 1.30 करोड़ लाभार्थी मुसलमान हैं। 'किसान सम्मान राशि' योजना में भी करीब एक-तिहाई लाभार्थी मुसलमान ही हैं।

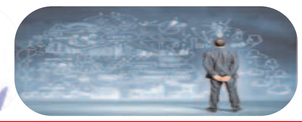

जनादेश एक्सप्रेस
शुक्रवार 28 मार्च 2025
अखबार नही आंदोलन
www.janadeshexpress.in

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप की ऑटो इंपोर्ट टैरिफ पॉलिसी की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव की स्थिति बनी रही। ट्रंप ने विदेश में बनी कारों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। ऑटो इंपोर्ट टैरिफ 2 अप्रैल से लागू हो जाएगा। इसकी वजह से पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,712.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 372.84 अंक यानी 2.04 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 17,899.01 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,536.90 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,689.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.97 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,030.68 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 270.76 अंक यानी 1.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,839.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। ताइवान वेटेड इंडेक्स 330.31 अंक यानी 1.48 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 21,929.98 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,616.37 अंक के स्तर तक पहुंचा हुआ है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 377.81 अंक यानी 0.99 प्रतिशत टूट कर 37,649.48 अंक के स्तर तक गिर गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,549 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,976.03 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में आज बड़ी मजबूती नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 224.16 अंक यानी 0.95 प्रतिशत उछल कर 23,707.48 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,492.30 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,379.19 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 1,190.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली। लगातार तीन दिन की गिरावट के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज मजबूती नजर आ रही है। आज के कारोबार में सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं की कीमत में उछला आया है। सोना आज 120 रुपये से लेकर 130 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। आज की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 89,410 रुपये से लेकर 89,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 81,960 रुपये से लेकर 82,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,02,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 89,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 82,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 89,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 81,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 89,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 89,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 81,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 89,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 81,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 89,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 82,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 89,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 82,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 89,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 89,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मजबूती नजर आ रही है। आज के कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी, लेकिन बाजार खुलते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.43 प्रतिशत और निफ्टी 0.39 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से श्रीराम फाइनेंस, लार्सन एंड टूब्रो, ट्रेंट लिमिटेड, आईसीआईसीआई बैंक और हीरो मोटोकॉर्प के शेयर 1.61 प्रतिशत से लेकर 0.90 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर टाटा मोटर्स, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर और अपोलो हॉस्पिटल के शेयर 5.40 प्रतिशत से लेकर 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 1,833 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी।

इनमें से 949 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 884 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 22 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 8 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 34 शेयर हरे निशान में और 16 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 201.11 अंक की गिरावट के साथ 77,087.39 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक ने उछल कर हरे निशान में अपनी जगह बना ली। हालांकि बीच-बीच में बिकवाली का मामूली दबाव भी बनता रहा, लेकिन इस सूचकांक की तेजी लगातार जारी रही। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 330.59 अंक की मजबूती के साथ 77,619.09 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

एप्पल ने की वार्षिक वर्ल्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस 2025 की घोषणा

क्यूपर्टिनो। टेक्नोलॉजी की अग्रणी कंपनी एप्पल ने बुधवार को घोषणा की कि उसका वार्षिक वर्ल्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस (डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी) 9 से 13 जून 2025 तक ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा। कंपनी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि इस आयोजन के पहले दिन, 9 जून को, एप्पल पार्क में एक विशेष कार्यक्रम होगा, जिसमें डेवलपर्स और छात्र व्यक्तिगत रूप से भाग लेकर इस समारोह का आनंद उठा सकेंगे। एप्पल का यह कार्यक्रम सभी डेवलपर्स के लिए निःशुल्क रहेगा और इसमें कंपनी के नवीनतम सॉफ्टवेयर और तकनीकी नवाचारों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस आयोजन के दौरान, डेवलपर्स को विशेषज्ञों तक पहुंच प्राप्त होगी और नए टूल, फ्रेमवर्क और सुविधाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी।

एप्पल के वर्ल्डवाइड डेवलपर रिलेशंस की उपाध्यक्ष सुसान प्रेस्कॉट ने कहा, कि हम अपनी वैश्विक डेवलपर कम्युनिटी के साथ डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी के एक और अविश्वसनीय वर्ष को मनाने के लिए उत्साहित हैं। हम लेटेस्ट टूल और टेक्नोलॉजी को साझा करने के लिए तत्पर हैं, जो डेवलपर्स को सशक्त बनाएंगे और इनोवेशन को बढ़ावा देंगे। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों में रहेगा सहभागिता का अवसर डेवलपर्स और छात्र इस कार्यक्रम में कीनोट सेशन में भाग लेकर नवीनतम एप्पल सॉफ्टवेयर और टेक्नोलॉजी की खोज कर सकेंगे। डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी 2025 को एप्पल के आधिकारिक यूट्यूब चैनल, डेवलपर ऐप और वेबसाइट पर भी लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। इस वर्ष के सम्मेलन में वीडियो सेशन्स और ऑनलाइन लैब्स के माध्यम से डेवलपर्स को एप्पल इंजीनियरों और डिज़ाइनरों से संवाद करने का अवसर मिलेगा। स्विफ्ट स्टूडेंट चैलेंज के जरिए नई पीढ़ी को प्रोत्साहन एप्पल ने अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि कंपनी नेक्स्ट जनरेशन डेवलपर्स को सपोर्ट करने के लिए स्विफ्ट स्टूडेंट चैलेंज का आयोजन कर रही है। यह कार्यक्रम युवा उद्यमियों, कोडर्स और डिज़ाइनरों को आगे बढ़ाने का प्रयास करता है। इस वर्ष के स्विफ्ट स्टूडेंट चैलेंज के आवेदकों को उनकी स्थिति के बारे में 27 मार्च को सूचित किया जाएगा। जिन छात्रों का चयन होगा, वे एप्पल पार्क में एक विशेष कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

केंद्र ने 15वें वित्त आयोग अनुदान के तहत कर्नाटक और त्रिपुरा के लिए 436 करोड़ से ज्याबदा किए जारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए त्रिपुरा और कर्नाटक में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए पंद्रहवें वित्त आयोग अनुदान की दूसरी किस्त् 436 करोड़ रुपये से ज्या दा की धनराशि जारी कर दी है। इससे स्थानीय शासन को मजबूती मिलेगी और ग्रामीण परिवर्तन को बढ़ावा मिलेगा।

पंचायती राज मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि केंद्र सरकार ने वित्तक वर्ष 2024-25 के लिए त्रिपुरा और कर्नाटक में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए पंद्रहवें वित्त आयोग अनुदान की दूसरी किस्त को जारी कर दी है। केंद्र सरकार ने त्रिपुरा में 589 पात्र ग्राम पंचायतों के साथ-साथ सभी ब्लॉक पंचायतों, जिला पंचायतों और पारंपरिक स्थानीय निकायों को लाभ पहुंचाने के लिए अनटाइड ग्रांट (दूसरी किस्त) के 31.1259 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। वहीं, कर्नाटक के 5375 पात्र ग्राम पंचायतों के लिए अनटाइड ग्रांट (दूसरी किस्त) में 404.9678 करोड़ रुपये जारी

किए गए हैं, जिससे राज्यभर में ग्रामीण स्थानीय निकायों को सहायता मिलेगी।

के मुताबिक अनटाइड ग्रांट का उपयोग विभिन्न समुदाय और विशिष्ट जरूरतों के लिए किया जा सकता है। इनका उद्देश्य स्थानीय बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं को बढ़ाना है। इसके अलावा अनटाइड ग्रांट का स्वच्छता (खुले में शौच मुक्त स्थिति, अपशिष्ट प्रबंधन और मल प्रबंधन के रखरखाव सहित) और पेयजल (वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण सहित) के महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से आवंटित किया जाता है।

उल्लेपखनीय है कि पंचायती राज मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय के द्वारा प्रबंधित 15वें वित्त आयोग अनुदान जमीनी स्तर पर विकास को बढ़ावा देने, स्थानीय शासन को बढ़ाने और ग्रामीण समुदायों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप पहलों का समर्थन करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये अनुदान पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाते हैं, जिससे वे संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में उल्लिखित 29 विषयों के तहत स्थान-विशिष्ट जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होते हैं।

जनादेश एक्सप्रेस
शुक्रवार 28 मार्च 2025
अखबार नही आंदोलन
www.janadeshexpress.in

राजस्थान, पंजाब और हरियाणा, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में 10 न्यायाधीशों की नियुक्ति

नई दिल्ली। सरकार ने राजस्थान और पंजाब तथा हरियाणा उच्च न्यायालयों में सात स्थायी न्यायाधीशों की नियुक्ति की है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के तीन अपर न्यायाधीशों को उसी न्यायाल में एक वर्ष के लिए पुन– अपर न्यायाधीश नियुक्त किए जाने का निर्णय किया गया है। विधि एवं न्यााय मंत्रालय की गरुवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार राजस्थान उच्च न्यायलय में चार अधिवक्ताऔर पंजाब उच्च न्यायालय के तीन अपर न्यायाधीश क्रमश– इन न्यायालय में स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किए गए हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है,÷भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति ने' ये नियुक्तियां की हैं। सर्वश्री आनंद शर्मा, सुनील बेनीवाल, मुकेश राजपुरोहित और संदीप शाह (सभी अधिवक्ता) राजस्थान उच्च न्यायालय में स्थायी न्यायाधीश बनाए गए हैं विज्ञप्ति के अनुसार पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के तीन अपर न्यायाधीशों सुमीत गोयल, श्रीमती सुदीप्ति शर्मा, तथा सुश्री कीर्ति सिंह को इस न्यायलय में स्थायी न्यायाधीश बनाया गया है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायायल में कार्यरत अपर न्यायाधीश सचिन सिंह राजपूत, राधाकिशन अग्रवाल और संजय कुमार जायसवाल को इसी न्यायालय में एक वर्ष की अवधि के लिए पुन– इसी पद पर नियुक्त किया गया है।

श्रीलंका की जेलों में बंद हैं 97 भारतीय मछुआरे : सरकार

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरूवार को राज्यसभा को बताया कि अभी 97 भारतीय मछुआरे श्रीलंका की जेलों में बंद हैं। डा . जयशंकर ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा कि श्रीलंका सरकार ने पिछ्ले दो तीन वर्षों में इस संबंध में कड़े कानून बनाये हैं। भारत सरकार मछुआरों की रिहायी के बारे में श्रीलंका सरकार के साथ राजनयिक स्तर पर समय समय पर बात करती रहती है। उन्होंने कहा कि गलती से श्रीलंका की समुद्री सीमा में चले जाने वाले मछुआरों की सहायता के लिए सरकार उनकी नौकाओं पर ट्रांसपोंडर लगाने का काम कर रही है। इसके अलावा मछुआरों को दूसरे विकल्प भी दिये जा रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि इसके अलावा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत भी मछुआरों को सहायता दी जाती है। पर्यावरण , वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने एक अन्य पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि केरल में मानव- पशु संघर्ष की घटनाओं में 344 लोगों की मृत्यु हुई है। उन्होंने कहा कि मनुष्य और वन्य जीवों के बीच संघर्ष एक चुनौती है। उन्होंने कहा कि 344 लोगों में से ज्यादातर की सांप के काटने से मृत्यु हुई है जबकि एक सौ तीन लोगों की मृत्यु हाथियों के कारण हुई है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में स्थिति के अध्ययन के लिए कोयम्बटूर में एक वैज्ञानिक कैन्द्र बनाया जा रहा है।

शाह के विरुद्ध विशेषाधिकार हनन के प्रस्ताव का नोटिस खारिज

नई दिल्ली। राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह के विरुद्ध कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश का विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव का नोटिस गुरुवार को खारिज कर दिया गया। सभापति जगदीप धनखड़ ने सुबह सदन में आवश्यक दस्तावेज रखवाने के बाद सदन को बताया कि श्री रमेश ने आपदा प्रबंधन संशोधन विधेयक की चर्चा के दौरान गृहमंत्री अमित शाह के श्रीमती सोनिया गांधी के संबंध में दिये एक वक्तव्य पर आपत्ति की है और इसे लेकर विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव का नोटिस दिया है। सभापति ने कहा कि यह नोटिस मीडिया में उपलब्ध है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह श्री शाह की छवि को नष्ट करने, बदले की कार्रवाई करने और मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए है। उन्होंने कहा कि श्री शाह ने अपने वक्तव्य को प्रमाणित करते हुए भारत सरकार की 24 जनवरी 1948 की एक विज्ञप्ति पटल पर रखी है। इस विज्ञप्ति में प्रधानमंत्री राहत कोष के गठन का ब्यौरा है। कोष के प्रबंधन में प्रधानमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष को शामिल किया गया है। सभापति ने कहा कि उपलब्ध तथ्यों को देखते हुए यह प्रस्ताव खारिज किया जाता है।

लोकसभा में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर के मानदेय बढ़ाने की उठी मांग

नई दिल्ली। लोकसभा में गुरुवार को आंगनवाड़ी, आशा वर्कर्स और रसोइयों का मानदेय बढ़ाने की मांग की गई। निर्दलीय सांसद राजेश रंजन शून्य काल में आंगनबाड़ी, आशा वर्कर्स और रसोइयों का मानदेय बढ़ाने की मांग करते हुए कहा कि सांसदों का वेतन तो बढ़ा दिया गया है, लेकिन आम लोगों के स्वास्थ्य और अन्य सेवाओं के लिये दिन-रात काम करने वाले इन कामगारों का मानदेय कब बढ़ाया जाएगा। उन्होंने इनका मानदेय तत्काल बढ़ाए जाने की मांग की। राजेश रंजन ने वृद्धावस्था पेंशन की राशि बढ़ाने की मांग के साथ ही अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिये छात्रावास की सुविधाओं में सुधार और उनका छात्रवृत्ति बहाल करने की भी मांग की। कांग्रेस के वी के श्रीकंदन ने भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिए जाने की मांग की। उन्होंने उनका मानदेय बढ़ाने की मांग की और उनका स्वास्थ्य बीमा की सुविधा दिलाने की भी मांग की। समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद ने उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति बदहाल होने का आरोप लगाते हुये उनके निर्वाचन क्षेत्र फैजाबाद के मिल्कीपुर इलाके में एक दलित महिला का घर गिराये जाने का मुद्दा उठाया और पीड़ित महिला को न्याय दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में दलितों का उत्पीड़न किया जा रहा है, उन्होंने सरकार से इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिये तत्काल कदम उठाने की मांग की।

टाटा मोटर्स ने तीन नए मॉडल्स पेश किए

नई दिल्ली। ऑटो एक्सपो 2025 में स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने अपने तीन नए मॉडल्स पेश किए, लेकिन ऑटो लवर्स खास तौर पर अविन्या का इंतजार कर रहे हैं। टाटा मोटर्स के इस लक्जरी ईवी ब्रांड के तहत हाई-एंड और अट्रैक्टिव कारें लॉन्च होने वाली थीं, लेकिन अब इसके लॉन्च में देरी हो सकती है। टाटा मोटर्स और जगुआर लेंड रोवर ने सितंबर 2024 में इलेक्ट्रीफाइड मॉडयूलर आर्कीटेक्चर प्लेटफॉर्म पर आधारित ईवीएस के निर्माण की योजना बनाई थी। लेकिन ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, जेएलआर अब टाटा के साथ संयुक्त रूप से ईवीएस का प्रोडक्शन करने की योजना में बदलाव कर सकता है। टाटा अविन्या मॉडल्स को ईएमए प्लेटफॉर्म पर विकसित करने की तैयारी थी, और कंपनी ने जनवरी के अंत तक सप्लायर्स के साथ ऑर्डर फाइनल करने की योजना बनाई थी। पहले अविन्या टैग के तहत पहला मॉडल 2025 में डेब्यू करने वाला था, और इस साल जनवरी में टाटा ने अविन्या एक्स कॉन्सेप्ट पेश कर इसे 2026 तक लॉन्च करने की घोषणा की। लेकिन अब, जेएलआर के निर्णय के कारण इस प्रोजेक्ट में देरी हो सकती है।

भाजपा ने अखिलेश यादव के 'दुर्गंध' वाले बयान पर उठाए सवाल, कहा- वह हमारी आस्थाओं पर कर रहे हैं प्रहार

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव के 'दुर्गंध' वाले बयान पर भाजपा सांसदों ने सवाल उठाए हैं। भाजपा सांसद रवि किशन ने कहा कि वह पीएम मोदी और सीएम योगी के खिलाफ बोलते-बोलते अब हमारी आस्थाओं पर प्रहार कर रहे हैं।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के 'सुगंध-दुर्गंध' वाले बयान पर बीजेपी सांसद रवि किशन ने कहा, ÷हमारे लिए हिंदुओं के लिए सबसे पवित्र चीज गाय का गोबर है। हमारे अनुष्ठान, दवाइयां, खाना बनाना और ईंधन सब इससे आते हैं। मेरी मां इसे खाना बनाने के लिए इस्तेमाल करती थीं और हम इसके साथ बड़े हुए। आज, वह कह रहे हैं कि इसमें गंध आती है। वह कहते हैं कि हिंदुओं में गंध आती है। सबसे बड़ा दुख इस बात का है कि वह पीएम मोदी और सीएम योगी के खिलाफ बोलते-बोलते अब हमारी आस्थाओं पर प्रहार कर रहे हैं, इससे हमें बहुत चोट लगती है।÷

सड़क या छत पर नमाज न पढ़ने को लेकर भाजपा सांसद रवि किशन ने कहा, ÷नमाज केवल मस्जिदों में पढ़ी जानी चाहिए, जहां इसे स्वीकार किया जाता है। यह चिंताजनक है कि इसे सड़कों पर पढ़ना

किसने शुरू किया। हिंदू और मुस्लिम दोनों पर कानून लागू होता है। यह महत्वपूर्ण है कि एंबुलेंस चालक, स्कूली बच्चे या काम पर जाने वाले किसी भी व्यक्ति को असुविधा न हो। अगर इसके लिए कोई नियम बनाए गए हैं, तो मोदी सरकार के तहत इस देश में सभी को कानून का पालन करना चाहिए और सद्भाव से रहना चाहिए। अखिलेश यादव के 'सुगंध-दुर्गंध' वाले बयान पर भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने पलटवार किया। उन्होंने कहा, ÷गाय में देवी-देवताओं का निवास होता है, और जहां भगवान का निवास होता है, उन्हें (अखिलेश यादव) उनमें से बदबू आ रही है। वे भी स्टालिन की तरह हो गए हैं, जिनको सनातन में डेंगू और मलेरिया दिखाई देता था। अब अखिलेश को गौमाता में दुर्गंध आने लगी, ये आश्चर्य की बात है। नेताजी जब मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने मुझे बधाई दी थी और कहा था कि बेटा तुमने गाय का संरक्षण किया है, ये पुण्य का काम है। अखिलेश यादव को सीएम योगी को फोन करके बधाई देनी चाहिए थी। जो काम अखिलेश सीएम रहते हुए नहीं कर पाए, वो काम सीएम योगी कर रहे हैं और गायों की सेवा के लिए पैसे दे रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में सड़कों पर नमाज न पढ़े जाने पर भाजपा के राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा, ÷इस पर किसी विवाद की जरूरत नहीं है। मेरा मानना है कि हमारे कई धार्मिक नेताओं ने बहुत सकारात्मक रुख अपनाया है। उन्होंने सड़कों पर नमाज नहीं पढ़ने की अपील की और इसका असर दिखाई दे रहा है। कांग्रेस विधायक राजेंद्र कुमार सिंह के संतों की तुलना बैल से करने वाले कथित बयान पर भाजपा सांसद वीडी शर्मा ने कहा, ÷यह दुर्भाग्यपूर्ण है और मैं इसकी कड़ी आलोचना करता हूं, जिस तरह से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संतों को 'अपराधी' कह रहे हैं, उनको शर्म आनी चाहिए।

राहुल गांधी ने आरोप नहीं लगाया, बल्कि सच्चाई बयां की : प्रियंका चतुर्वेदी

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 'मैं जब भी सदन में खड़ा होता हूं, मुझे बोलने नहीं दिया जाता' बयान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का बयान आरोप नहीं बल्कि सत्य है। शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, ÷राहुल गांधी का बयान आरोप नहीं बल्कि हकीकत है। मैं मानती हूं कि बार-बार आरोप लगाने की बात बोलना हमें सत्यता से दूर करता है। सवाल यह है कि स्पीकर आते हैं, एक स्टेटमेंट पढ़ते हैं और फिर सदन की कार्यवाही स्थगित कर देते हैं। राइट टू रिप्लाई भी कुछ होता है, प्रधानमंत्री तो सदन में अपनी बात रखते हैं, मगर नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया जाता है। बार-बार ये सब किया जाता है और स्पीकर आरोप लगा रहे हैं, वह संवैधानिक पद पर बैठकर भाजपा का नैरेटिव सेट कर रहे हैं। सही मायनों में नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया जा रहा है। राहुल गांधी ने जो कहा है, वो कोई आरोप नहीं है बल्कि सच्चाई है।

गौ माता से दुर्गंध आती है, तो वह भूमि ढूंढनी चाहिए जहां सनातन का अपमान हो सके : संबित पात्रा

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के 'गौशाला की दुर्गंध' बनाम 'इत्र की सुगंध' वाले बयान पर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि अगर किसी को हिंदुस्तान में रहकर गौ माता से दुर्गंध आती है, तो उसे वह भूमि ढूंढनी चाहिए, जहां सनातन का अपमान हो सके। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, ÷ये सभी पार्टियां सनातन के विरोध में आवाज उठाती रहती हैं और सनातन के विरोध में काम भी करती हैं। सपा के मुखिया अखिलेश यादव ने एक भड़काऊ बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि 'भारतीय जनता पार्टी को दुर्गंध पसंद है', इसलिए वह गौशाला का निर्माण करा रही है और 'समाजवादी पार्टी को सुगंध पसंद है, इसलिए हम इत्र बनाते हैं।' मध्य प्रदेश में कांग्रेस विधायक राजेंद्र कुमार सिंह ने कहा था कि भाजपा ने साधु-संतों और मंडलेश्वरों के रूप में सांड छोड़ रखे हैं, ताकि ये सांड घुसकर दूसरे धर्मों के खेत को चर जाएं। एक तरफ जहां अखिलेश यादव को गौ माता में दुर्गंध नजर आती है, वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी की

पार्टी के नेता को साधु-संतों में सांड नजर आता है। उनके उसी विधायक ने महाकुंभ के विरोध में भी बयान दिया था।÷

उन्होंने आगे सपा-कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा, ÷यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि इन लोगों को सनातन से लगाव नहीं है और ये सभी सनातन विरोधी हैं। अगर हिंदुस्तान में रहकर कोई सनातन का विरोध करता है, अगर उन नेताओं को हिंदुस्तान में रहकर गौ माता से दुर्गंध आती है, हिंदुस्तान में रहकर साधु-संतों को 'छूटा सांड' कहते हैं, तो उन्हें हिंदुस्तान में राजनीति बंद कर देनी चाहिए। उन्हें वह भूमि ढूंढनी चाहिए, जहां सनातन का अपमान हो सके। यह देश सनातन का अपमान नहीं सहेगा। इससे पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा था, ÷कन्नौज में हमने भाईचारे की खुशबू फैलाई है। दूसरी तरफ भाजपा नफरत की बदबू फैलाती है। मैं कन्नौज के लोगों से आग्रह करता हूं कि वे भाजपा द्वारा फैलाई गई इस दुर्गंध को दूर करें, कुछ हद तक यह पहले ही साफ हो चुकी है, लेकिन अगले चुनाव में इसे पूरी तरह से हटा दें ताकि कन्नौज का रुका हुआ विकास आगे बढ़ सके। भाजपा के लोग दुर्गंध पसंद करते हैं, इसलिए गौशाला बना रहे हैं। हम सुगंध पसंद कर रहे थे, इसलिए इत्र पार्क बना रहे थे। यूपी की योगी सरकार प्रदेश में सांड पकड़ने का काम कर रही है

तुअर की 100 फीसद खरीद एमएसपी पर, शिवराज सिंह चौहान ने किसानों से की पंजीकरण की अपील

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को बताया कि सरकार ने तुअर (अरहर), उड़द और मसूर जैसी दालों की खरीद को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने खरीफ 2024-25 सीजन के लिए इन फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 100 फीसद खरीदने की मंजूरी दी है। इसका मकसद किसानों को प्रोत्साहित करना और दालों के आयात पर निर्भरता कम करना है। चौहान ने कहा कि अगले चार साल तक, यानी 2028-29 तक, ये खरीद जारी रहेगी चौहान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों के हितों को सबसे ऊपर रखते हैं।

उन्होंने बताया कि आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश में 13.22 लाख मीट्रिक टन तुअर की खरीद को मंजूरी दी गई है। 25 मार्च तक आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना में 2.46 लाख मीट्रिक टन तुअर खरीदी जा चुकी है, जिससे 1,71,569 किसानों को फायदा हुआ। कर्नाटक में खरीद की समय सीमा को 90 दिन से बढ़ाकर 30 दिन और करके 1 मई 2025 तक कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि नेफेड और एनसीसीएफ जैसी एजेंसियां एमएसपी पर खरीद कर रही हैं। उत्तर प्रदेश में तुअर की कीमत अभी एमएसपी से ऊपर है। किसानों को नेफेड के ई-समृद्धि और एनसीसीएफ के ई-संयुक्ति पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। चौहान ने किसानों से अपील की कि वे पंजीकरण करवाएं ताकि उनकी फसल सही दाम पर बिक सके। उन्होंने राज्य सरकारों से भी कहा कि वे खरीद की प्रक्रिया को पारदर्शी और प्रभावी बनाएं।

चौहान ने आगे कहा कि सरकार दालों में आत्मनिर्भरता चाहती है। इसके लिए बजट 2025 में भी घोषणा की गई है कि तुअर, उड़द और मसूर की पूरी खरीद एमएसपी पर होगी। इसके अलावा, चना, सरसों और मसूर की खरीद पीएम आशा योजना के तहत होगी। राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात को सरसों की खरीद की मंजूरी दी गई है, जबकि तमिलनाडु में खोपरे की खरीद को भी हरी झंडी मिली है। उन्होंने राज्य सरकारों से सहयोग की अपील करते हुए कहा, ÷एमएसपी से नीचे किसानों की फसल न बिके, यह केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता है। राज्य सरकारें खरीद में मदद करें।

पंजीकरण और प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए नेफेड और एनसीसीएफ के पोर्टल का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह कदम किसानों की आय बढ़ाने और देश को दालों में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा प्रयास है।

क्लब विश्वकप जीतने वाली टीम को मिलेंगे 10.70 अरब रुपये: फीफा

जिनेवा । विश्व फुटबॉल की शासी संस्था फीफा इस वर्ष जून-जुलाई में होने वाले पहले क्लब विश्वकप के लिए लगभग 85.66 अरब रूपये की पुरस्कार राशि की घोषणा की है जिसमें से टूर्नामेंट जीतने वाली टीम को लगभग 10.70 अरब रूपये मिलेंगे। फीफा ने बताया कि इस वर्ष 14 जून से 13 जुलाई तक अमेरिका में आयोजित पहले फीफा क्लब विश्वकप में 32 टीमें भाग लेंगी। टूर्नामेंट के लिए लगभग 85.66 अरब रूपये की पुरस्कार राशि दिये जाने की घोषणा की है। इस राशि में से चैंपियन बनने वाली टीम को लगभग 10.70 अरब रुपये मिलेंगे। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा, ÷फीफा क्लब विश्व कप का वितरण मॉडल क्लब फुटबॉल के शिखर को दर्शाता है और सात मैचों के ग्रुप चरण और प्लेऑफ प्रारूप वाले फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए अब तक की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि है। जिसमें विजेता टीम के लिए संभावित पुरस्कार राशि 10.70 अरब रूपये है। उन्होंने कहा कि 525 डॉलर का हिस्सा सभी भाग लेने वाली टीमों के बीच वितरित किया जाएगा, जबकि शेष 475 मिलियन डॉलर टूर्नामेंट के प्रदर्शन के आधार पर वितरित किए जाएंगे।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स को आठ विकेट से हराया

गुवाहाटी। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद क्विंटन डी कॉक (नाबाद 97) की विस्फोटक पारी के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के छठे मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 15 गेंदें शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। 151रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए मोईन अली और क्विंटन डी कॉक की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 41 रन जोड़े। सातवें ओवर में मोईन अली (पांच) पर रनआउट हो गये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये अजिंक्य रहाणे (15) को हसरंगा ने आउट कर राजस्थान को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद अंगकृष रघुवंशी और क्विंटन डी कॉक की जोड़ी ने तीसरे विकेट के लिए 83 रनों की अविजित साझेदारी कर कोलकाता को 17.3 ओवर में 153 रन बनाकर आठ विकेट से जीत दिला दी। डीकॉक ने 61 गेंदों में आठ चौके और छह छक्के लगाते हुए (नाबाद 97) रनों की पारी खेली। अंगकृष रघुवंशी 17 गेंदों में 22 रन बनाकर नाबाद रहे। राजस्थान रॉयल्स की ओर से एकमात्र विकेट वानिंदु हसरंगा को मिला। इससे पहले आज यहां कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स के लिए यशस्वी जयसवाल और संजू सैमसन की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 33 रन जोड़े। चौथे ओवर में वैभव आरोड़ा ने सैमसन (13) को बोल्डकर कोलकाता को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान रियान पराग को वरूण चक्रवर्ती ने आठवें ओवर में विकेटकीपर डीकॉक के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। रियान ने 15 गेंदों में तीन छक्के लगाते हुए (25) रन बनाये।

'रनों की बरसात' इतने खिलाड़ियों ने लगाई हॉफ सेंचुरी, इसमें 8 भारतीय, 7 विदेशी

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में गेंदबाजों पर कहर बन कर टूट रहे हैं बल्लेलबाज। एक दो मैच को छोड़ दिया जाए तो सारे मैच हाई स्कोरिंग रहे हैं। इस टूर्नामेंट में अब तक अलग-अलग टीमों से कुल 15 खिलाड़ियों ने हाफ सेंचुरी लगाई। इसमें 8 भारतीय बल्लेबाज हैं, तो वहीं 7 विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं। टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में हाफ सेंचुरी लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों में राजस्थान रॉयल्स के विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल और संजू सैमसन, पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर, गुजरात टाइटंस के लिए साई सुदर्शन, कोलकाता नाइट राईडस के कप्तान अजिंक्य रहाणे, दिल्ली कैपिटल्स के लिए आशुतोष शर्मा, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली, चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ हैं। चलिए विस्तार से जानते हैं इन खिलाड़ियों के बारे में। राजस्थान रॉयल्स के विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने अपने पहले मैच में ही सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हाफ सेंचुरी लगाई थी। इस टूर्नामेंट में ध्रुव जुरेल ने 2 मैच में कुल 103 रन बनाए, 70 सर्वाधिक स्कोर रहा है। कोलकाता नाइट राइडर्स के सलामी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने बुधवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 97 रनों की शानदार पारी खेली। इस टूर्नामेंट में उन्होंने इसी के साथ अपनी पहली हाफ सेंचुरी भी लगाई। 2 मैच में क्विंटन डी कॉक के नाम कुल 101 रन है।

'ऋषभ पंत के गेंदबाजों की होगी अग्निपरीक्षा', हैदराबाद और लखनऊ के बीच महामुकाबला

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच महामुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7~30 बजे से शुरू होगा। लीग के इस सातवें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स जीत के साथ टूर्नामेंट में 2 अंकों के साथ खाता खोलना चाहगी। ऋषभ पंत की टीम हैदराबाद अपना पहला मैच दिल्ली से हारकर पहुंच रही है। वहीं, हैदराबाद, जो कि सनराइजर्स हैदराबाद का घरेलू ग्राउंड है, वह टूर्नामेंट में अपना पहला मैच राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत चुकी है। पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजों पर जमकर बरसे थे। हैदराबाद की ओर से ईशान किशन ने सेंचुरी जड़कर जता दिया था कि इस बार गेंदबाजों को बख्शा नहीं जाएगा। हैदराबाद के मैदान पर लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत के सामने सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों को शांत रखना भी एक चुनौती की तरह है। क्योंकि, हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड टीम को तेज शुरुआत दे रहे हैं। इसके बाद ईशान किशन और मिडिल ऑर्डर में हेनरिक क्लासेन तेजी से रन बटोर रहे हैं। पहले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इन खिलाड़ियों के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने 286 रन बना दिए थे। हैदराबाद की पिच पर गेंदबाजों को रन बचाना भी काफी मुश्किल होता है। यहां पर पिछले साल खेले गए सात मैचों में से छह मैचों में 200 से ज्यादा का स्कोर बना है। बल्लेबाज यहां पर गेंदबाजों पर रहम नहीं दिखाते हैं। हैदराबाद के मैदान पर अपने बल्लेबाजों के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद एक मजबूत टीम है। लेकिन, आईपीएल के इतिहास में उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स से कड़ा मुकाबला मिला है। आंकड़ों पर गौर करें तो दोनों टीमों के बीच अब तक आईपीएल में 4 मैच खेले गए हैं, जिसमें से लखनऊ की टीम ने तीन बार मैच को अपने नाम किया है, तो वहीं हैदराबाद की टीम सिर्फ एक बार ही जीत हासिल करने में कामयाब हो सकी है।

नुसरत भरूचा की फिल्म छोरी 2 की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

नुसरत भरूचा इन दिनों अपनी फिल्म छोरी 2 को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है। दरअसल, छोरी 2 की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। यह फिल्म 11 अप्रैल 2025 को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। छोरी 2 का पहला वीडियो सामने आ गया है, जो हॉरर और सस्पेंस से भरपूर है। नुसरत की अदाकारी की खूब तारीफ हो रही है। अमेजन प्राइम वीडियो ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, एक बार फिर... वो खेत, वो खतरा, वो खौफ। फिल्म में नुसरत एक बार फिर साक्षी के किरदार में दिखाई देंगी। उनके साथ अभिनेत्री सोहा अली खान भी नजर आएंगी। छोरी 2 के निर्देशन की कमान विशाल फुरिया ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है। छोरी 2 2021 में आई फिल्म छोरी का सीक्वल है। अब लगभग 4 साल बाद फिल्म का दूसरा भाग आ रहा है।

44 की उम्र में नहीं थम रही श्वेता तिवारी की हॉटनेस

हर अदाओं से फैंस के दिलों पर चला रहीं खंजर

टीवी और बॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस को अपना दीवाना बनाए हुए रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी हमेशा अपनी हॉट और बोल्ड फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर सोशल मीडिया पर धमाल मचाती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से छा जाता है।

हाल ही में एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। इन फोटोज में आप देख सकते एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने येलो कलर का कोर्ड-सेट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढक़र एक किलर अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

खुले बाल, नो मेकअप लुक और चेहरे पर प्यारी सी स्माइल देते हुए एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका ये खूबसूरत अंदाज देखकर फैंस तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं।

बता दें कि श्वेता तिवारी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

एडवांस बुकिंग में छाई सिकंदर, पहले दिन 6 करोड़ रु का आंकड़ा पार

सलमान खान और रश्मिका मंदाना स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म सिकंदर की रिलीज में अब बस चार दिन ही बचे हैं. सिकंदर इस ईद के मौके पर 30 मार्च को वर्ल्डवाइड रिलीज होने जा रही है. वहीं, बीती 25 मार्च को फिल्म की एड़वांस बुकिंग शुरू हो चुकी है और सिकंद ने एडवांस बुकिंग में मौका मारने का कोई चांस नहीं छोड़ा है. सिकंदर ने अपनी एडवांस बुकिंग में पहले दिन कितने रुपये की कमाई की है और फिल्म के पहले दिन के लिए कितना कलेक्शन हुआ है आइए जानते हैं.

सलमान खान की सिकंदर को एडवांस बुकिंग के पहले दिन दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. सैकनिल्क के अनुसार, सिकंदर ने एडवांस बुकिंग के पहले दिन भारत में 67,293 टिकट सेल कर दिए हैं. वहीं, फिल्म सिकंदर ने पहले दिन की एड़वांस बुकिंग से 1.92 करोड़ रुपये कमा लिए हैं और ब्लैक सीट को मिलाकर फिल्म ने 6.15 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है. सिकंदर ने एडवांस बुकिंग में 2डी हिंदी और आईमैक्स 2डी से 45,778 रुपये जुटाए हैं. फिल्म सिकंदर देशभर की 9110 स्क्रीन पर कब्जा कर लिया है.

वहीं, रीजनली सिकंदर ने महाराष्ट्र से 1.24 करोड़ रुपये, दिल्ली से 1.11 करोड़ रुपये, राजस्थान 51.08 लाख रुपये, जबकिक गुजरात और कर्नाटक से क्रमश 49.94 लाख रुपये और 28.82 लाख रुपये कमा लिए हैं. कुल मिलाकर

सिकंदर ने एडवांस बुकिंग में ब्लैक सीट के साथ 6.15 करोड़ रुपये बटोर लिए हैं.

फिल्म सिकंदर को गजनी के डायरेक्टर एआर मुरुदास ने डायरेक्ट किया है और फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं. फिल्म की स्टारकास्ट में सलमान खान, रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, शरमन जोशी, प्रतीक बब्बर और सत्यराज अहम रोल में हैं. वहीं, कल यानि 27 मार्च को साउथ सिनेमा से मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म एल 2- एम्पुरान रिलीज हो रही है, जो सिकंदर के लिए साउथ के दर्शकों को सीमित कर देगी.

साउथ एक्टर पृथ्वीराज सुकुमारन ने सिकंदर और एल 2- एम्पुरान के बीच क्लैश पर कहा है कि कोई कंपटीशन नहीं हैं, सलमान खान के देश के बड़े स्टार हैं, मैं आशा करता हूं कि दोनों ही फिल्में ब्लॉकबस्टर हो, मुझे कोई शिकायत नहीं है अगर 11 बजे एल 2- एम्पुरान देखें और 1 बजे सिकंदर. अब देखना होगा कि दर्शकों को कौनसी फिल्म पसंद आती है.

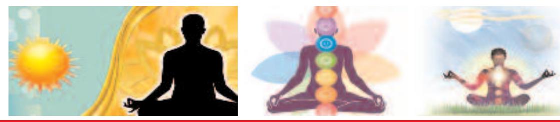

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला पलट दिखायी राह, किया उजाला

-ललित गर्ग-

नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की कोशिश से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाकर न्याय की संवेदनशीलता को संबल दिया है, इससे जहां न्याय की निष्पक्षता, गहनता एवं प्रासंगिकता को जीवंत किया है, वहीं महिला अस्मिता एवं अस्तित्व को कुचलने की कोशिशों को गंभीरता से लिया गया है। शीर्ष अदालत के जजों ने इस फैसले को असंवेदनशील बताते हुए न केवल इलाहाबाद हाई कोर्ट के इस विवादित फैसले पर गंभीर नाराजगी दशार्यी एवं खेद प्रकट किया है, क्योंकि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा था- नाबालिग लड़की के ब्रेस्ट पकड़ना और उसके पायजामे के नाड़े को तोड़ना रेप नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यौन अपराधों की गंभीरता को कम करने वाली या पीड़ितों के अनुभवों को कमतर आंकने वाली भाषा एवं सोच का इस्तेमाल न करने की चेतावनी देते हुए हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को भी ऐसा फैसला देने वाले जज से ऐसे संवेदनशील मामलों की सुनवाई न कराने का भी निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जजों ने कहा कि यह फैसला तुरंत नहीं लिया गया, बल्कि सुरक्षित रखने के 4 महीने बाद सुनाया गया यानी पूरे विचार के बाद फैसला दिया गया है। नारी अस्मिता एवं अस्तिव को कुचलने की शर्मसार करने वाली निचली अदालतों की ऐसी न्यायिक घटनाएं चिन्ताजनक है। एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की पहल से समाज में सकारात्मक संदेश दिया गया और महिलाओं की सुरक्षा, अस्मिता एवं अस्तित्व सुनिश्चित करने का सार्थक प्रयास भी किया गया है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट में जस्टिस राममनोहर नारायण मिश्रा ने अपने 17 मार्च के इस फैसले में कहा था कि ह्यपीड़िता के स्तन को छूना और पायजामे की डोरी तोड़ने को बलात्कार या बलात्कार की कोशिश के मामले में नहीं गिना जा सकता है ह्ल उल्लेखनीय है कि यह घटना साल 2021 में एक नाबालिग लड़की के साथ हुई थी। जिसमें तीन युवकों ने लड़की से बदतमीजी की थी और उसके प्राइवेट पॉर्टस को छुआ तथा पुल के नीचे घसीटकर उसके पायजामे की डोरी तोड़ थी। जिसे पास से गुजरने वाले ट्रैक्टर चालकों ने बचाया था। स्थानीय पुलिस से जब किशोरी के परिजनों को मदद नहीं मिली तब उन्होंने न्याय के लिये कासगंज की विशेष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। जहां अभियुक्तों पर आईपीसी की धारा 376 व पॉक्सो एक्ट की धारा 18 लगाई गई। जिसको अभियुक्तों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। 11 साल की इस लड़की के साथ हुई इस घटना के बारे में जस्टिस मिश्रा का निष्कर्ष था कि यह महिला की गरिमा पर आघात का मामला है। इसे रेप या रेप की कोशिश नहीं कह सकते। एकल पीठ का कहना था कि मामले में तथ्यों व आरोपों के आधार पर तय करना संभव नहीं है कि बलात्कार का प्रयास हुआ था। जिसके लिये अभियोजन पक्ष को सिद्ध करना था कि अभियुक्तों का यह कदम अपराध करने की तैयारी के लिये था। इस फैसले के बाद देशभर में गहरा आक्रोश, गुस्सा एवं नाराजगी सामने आयी, महिला संगठनों व बौद्धिक वर्गों में तल्ख प्रतिक्रिया देखी गयी, सोशल मीडिया एवं मीडिया ने इसे न्याय की बड़ी विसंगति एवं अमानवीयता के रूप में प्रस्तुत किया।

महिला संगठन वी द वूमेन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट का भी रुख किया था। शीर्ष अदालत के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने माना कि फैसला न केवल असंवेदनशील है बल्कि अमानवीय नजरिया भी दशार्ता है। जिसके चलते इस फैसले पर रोक लगाना आवश्यक हो जाता है। वहीं शीर्ष अदालत ने इस मसले पर केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया है। यह बात किसी के गले नहीं उतर पा रही कि जब पाक्सो कानून में स्पष्ट रूप से किसी बच्चे के साथ गलत हरकतों को आपराधिक कृत्य माना गया है, तब कैसे इलाहाबाद उच्च न्यायालय के संबंधित न्यायाधीश को न्यायिक विवेचन करते समय यह गंभीर दोष नहीं जान पड़ा। महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनों में तो उन्हें घूरने, गलत इशारे करने, पीछा करने आदि को भी आपराधिक कृत्य माना गया है। फिर उस लड़की के मामले में हर पहलू पर विचार क्यों नहीं किया गया? इस फैसले की निन्दा, भर्त्सना एवं आलोचना ने देश में एक बार फिर जताया है कि देश ऐसे संवेदनशील मामलों में जागरूक है, किसी भी तरह की लापरवाही एवं कोताही को बर्दाश्त नहीं करेगा। सुप्रीम अदालत ने देखा था कि पीछा करने, छेड़छाड़ करने और उत्पीड़न जैसे अपराधों को सामान्य बनाने वाले रवैये का ह्यपीड़ितों पर स्थायी और हानिकारक प्रभाव पड़ता है ह्ल महिलाओं के सम्मान और गरिमा के प्रति सर्वोच्च न्यायालय संवेदनशील है, यही आशा की किरण है। यहां यह अपेक्षित हो जाता है कि महिला मामलों की सुनवाई करने वाले जजों को इसकी बारीकियों एवं गहनताओं का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। ऐसे प्रशिक्षित जजों को ही ऐसे मामलों की सुनवाई का मौका दिया जाना चाहिए। यह भी अपेक्षित है कि ऐसे

मामलों में कोताही या दुराग्रह बरतने वाले जजों के लिये उचित जांच का भी प्रावधान होना चाहिए।

महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में फैसला देते वक्त अदालतों से अपेक्षा की जाती है कि वे घटना, तथ्यों और प्रमाणों पर संवेदनशील तरीके से विचार करें। मगर विचित्र है कि कई बार निचली अदालतें ऐसे मामलों में आग्रह एवं पूर्वाग्रहपूर्ण निर्णय सुना देती हैं। उल्लेखनीय है कि एक ऐसे ही मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के फैसले को पलट कर कानून की संवेदनशीलता को संबल दिया था। तब भी सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2021 में कहा था कि किसी बच्चे के यौन अंगों को यौन इरादे से छूना पॉक्सो अधिनियम की धारा 7 के तहत यौन हिंसा माना जाएगा। अब चाहे इसमें त्वचा का संपर्क नहीं हुआ हो। कोर्ट का मानना था कि अभियुक्त का इरादा ज्यादा मायने रखता है। दरअसल, इस मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की महिला जज ने अभियुक्त को इस आधार पर बरी करने का फैसला लिया था कि त्वचा से त्वचा का संपर्क नहीं हुआ था। इसी तरह कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी अक्टूबर, 2023 में एक फैसला सुनाते हुए टिप्पणी की थी कि किशोरियों को अपनी यौन इच्छाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए, वे दो मिनट के सुख के लिए समाज की नजरों में गिर जाती हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जज से यह उम्मीद नहीं की जाती है कि वे फैसला सुनाते समय अपने विचार व्यक्त करें। तब सुप्रीम कोर्ट ने यह दिशानिर्देश भी जारी किए थे कि फैसले किस तरह लिखे जाने चाहिए। इसके अलावा, कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को भी पलट दिया था। ऐसे फैसले न्यायिक भ्रष्टता, संवेदनहीनता एवं लापरवाही के प्रतीक है, जिससे महिलाओं अपराधियों, बलात्कारियों, व्यभिचारियों एवं यौन शोषकों का नारी से खिलवाड़ करने का हौसला बुलन्द होता है।

देश में बढ़ रही यौन-शोषण, रेप एवं नारी दुराचार की घटनाओं को देखते हुए न्याय-व्यवस्था को अधिक सशक्त एवं निष्पक्ष बनाये जाने की अपेक्षा है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कुछ मामलों में पाक्सो और महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों का दुरुपयोग देखा गया है, मगर इसका अर्थ यह नहीं कि इससे किसी को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट मिल जाती है। पहले ही महिला यौन उत्पीड़न के मामलों में शिकायतें दर्ज कराने को लेकर चुप्पी साध जाने या टालमटोल रवैया अपनाना एक गंभीर मामला है। जिसके चलते ऐसी घटनाएं बढ़ती ही जा रही है। आजीवन शोषण, दमन, अत्याचार, अवांछित बर्ताव और अपमान की शिकार रही भारतीय नारी को अब और नये-नये तरीकों से कब तक जहर के घूंट पीने को विवश होना होगा। अत्यंत विवशता और निरीहता से देख रही है वह यह क्रूर अपमान, यह वीभत्स अनादर, यह दूषित व्यवहार एवं संकुचित न्याय। न्याय की चौखट पर भी उसके साथ दोयम दर्जा एवं दुराग्रहपूर्ण सोच बदलना सर्वोच्च प्राथमिकता हो। यदि हम सच में नारी के अस्तित्व एवं अस्मिता को सम्मान देना चाहते हैं तो! ईमानदार स्वीकारोक्ति और पड़ताल से ही यह संभव होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अभय कुमार, जनादेश एक्सप्रेस इण्डिया लिमिटेड पब्लिकेशन 297 फेस 2 बसंत विहार न्यू फॉरेस्ट, देहरादून 248001 उत्तराखंड द्वारा प्रकाशित, प्रधान संपादक अभय कुमार,
स्थानीय संपादक सीएल सिंह, प्रबंध संपादक ज्ञानेंद्र तिवारी, योगेश सेमवाल, उप संपादक मयंक पाण्डेय, धीरेन्द्र कुमार, आरएनआई नंबर - UTHIN05478/22 दूरभाष - 9910943629,
Email id- editorjanadeshexpress@gmail.com / Janadeshutrakhand@gmail.com / www.janadeshexpress.in